

दांतों में झनझनाहट?

पायें ₹20 में सुरक्षा

नया पैक

₹20 ONLY

18g के लिए MRP ₹20\*

## ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग के बीच आज प्रधानमंत्री करेंगे ‘मन की बात’

हरिभूमि ब्यूरो►►नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर विपक्षी दलों के देश-व्यापी आंदोलन और चुनाव आयोग को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने मासिक रेडियो

**सड़क से संसद तक विपक्ष का दबाव**

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष का विरोध केवल संसद तक सीमित नहीं है। दिल्ली समेत कई स्थानों पर प्रदर्शन हुए हैं। 25 सितंबर को दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान कई लोगों को हिरासत में लिए जाने की खबर सामने आई। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग उठाई है। द्रविड़ मुन्नेत्र कघमण के अध्यक्ष एमके स्टालिन ने भी हाल में मुख्य

**चुनाव आयोग पर विपक्ष के आरोप, ‘मन की बात’ पर देश की नजर**

आयोग का अपना पक्ष

विपक्षी दल विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया और चुनाव आयोग के भीतर निर्णयों को लेकर सामने आई असहमतियों को लेकर लगातार सवाल उठा रहे हैं। द इंडियन एक्सप्रेस की एक पड़ताल में दावा किया गया है कि पिछले कुछ महीनों में चुनाव आयोग के दो आयुक्तों ने कुछ निर्णयों और प्रक्रियाओं पर कई बार आपत्ति दर्ज की थी। विपक्ष ने इन खबरों को आधार बनाकर मुख्य चुनाव आयुक्त के

चुनाव आयोग की स्पष्टता के बाद कांग्रेस के आरोपों की वास्तविकता सामने आ गई है, कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय तथ्यों का सम्मान करना चाहिए। पात्रा

कांग्रेस अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रही: भाजपा

कहा, चुनाव आयोग के तीनों कमिश्नरों की बैठक के बाद जारी प्रेस विज्ञापन ने एसआईआर पर कांग्रेस के आरोपों को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया

हरिभूमि ब्यूरो►►नई दिल्ली

भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रही है। जनता के समक्ष तथ्यों को रखना आवश्यक है, ताकि संवैधानिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा और लोकतांत्रिक व्यवस्था सुरक्षित रहे। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं संसद सचिव पात्रा ने शनिवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में मीडिया को संबोधित किया और कहा कि चुनाव आयोग के तीनों कमिश्नरों की बैठक के बाद जारी प्रेस विज्ञापन ने कांग्रेस के आरोपों को स्पष्ट किया है। चुनाव आयोग ने बताया कि एसआईआर पर तीनों कमिश्नरों को पूर्ण सहमति थी और कैबिनेट सेक्रेटरी के साथ बैठक किसी नीतिगत विषय पर नहीं, बल्कि डेपुटेशन पर आए अधिकारों से संबंधित औपचारिक विषय पर हुई थी। संविता पात्रा ने कहा कि सभी को पता है कि परसों एक अखबार में चुनाव आयोग पर कुछ आर्टिकल छपने के पश्चात तमाम विपक्षी पार्टियों और खासकर कांग्रेस पार्टी ने हमलावर तेवर में चुनाव आयोग और भाजपा पर हमला किया था।

**30 राज्यों की एसआईआर प्रक्रिया पर सभी थे सहमत**

कांग्रेस का दावा था कि चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी मिली हुई है और कहीं न कहीं भारत के लोकतंत्र के साथ खिलावा कर रही है। इस कारण से भाजपा ने प्रेस वार्ता के माध्यम से अपना विषय जनता के सामने रखा था और बड़े स्फोट रूप से अपनी प्रेस वार्ता में यह बताया था कि तथ्य क्या थे। कांग्रेस पार्टी ने किस प्रकार विगत दिनों में चुनाव आयोग के साथ खिलावा किया था और किस प्रकार सुप्रीम कोर्ट इत्यादि की मोड़ पर एसआईआर पर लगी हुई है। एसआईआर की जो प्रक्रिया तीनों राज्यों के लिए चुनाव आयोग ने निकाली थी, उसमें तीनों इलेक्शन कमिश्नरों की सर्वसम्मति थी। आज दोपहर 3 बजे चुनाव आयोग के तीनों कमिश्नरों की बैठक हुई और उसके पश्चात चुनाव आयोग ने एक सार्वजनिक प्रेस विज्ञापन

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY

airtel

चैनल नं. 1155 चैनल नं. 366

### खबर संक्षेप

#### 2027 में आखिरी वर्ल्ड कप खेलूंगा: विराट

नई दिल्ली। दुनिया में मशहूर बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा कि 2027 का वर्ल्ड कप भारत के लिए उनका आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उन्होंने कहा कि वे ट्रांफी जीतने के लिए अपना सबकुछ दांव पर लगाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैं मैदान पर अपना 100% देना चाहता हूं।

#### ओल्ड एज होम में दिखे पूर्व क्रिकेटर कांबली

ठाणे। भारत के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली अब ठाणे के एक ओल्ड-एज होम में दिखे हैं। कांबली का वहां से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे बुजुर्गों की देखभाल करने वाले इस सेंटर की सुविधाओं और साफ-सफाई की तारीफ करते हुए बोलने में संघर्ष करते दिख रहे हैं।

►►एशियन गेम्स में महिला और पुरुष टीमों चैंपियन

►►तज्जिंदरपाल को शॉटपुट में सिल्वर

►►मैराथन और शूटिंग में भी सिल्वर

## भारत को एक दिन में कबड्डी के दो गोल्ड डबल गोल्ड का ‘दांव’

एजेंसी►►नागोया (जापान)

भारत ने शनिवार को एशियन गेम्स में कबड्डी के दोनों गोल्ड जीत लिए। महिला टीम ने ईरान को 37-34 और पुरुष टीम ने भी ईरान को 40-34 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पुरुष टीम ने लगातार 10वीं बार और महिला टीम ने लगातार 5वें एशियाड में मेडल जीता। एथलेटिक्स में तज्जिंदरपाल सिंह तूर ने शॉटपुट में 20.64 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर जीता। प्राची चौधरी ने

400 मीटर में 53.21 सेकंड के समय के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया। भारत को मैराथन और शूटिंग में भी सिल्वर मिले। रक्वॉश में अनाहत सिंह और अभय सिंह फाइनल में पहुंचे। पुरुष हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। कबड्डी के फाइनल में भारत के खिलाफ ईरान ने हाफ तक 18-17 की बढ़त बना ली थी। दूसरे हाफ की शुरुआत में भी ईरान ने दबाव बनाए रखा और तीन अंकों की बढ़त हासिल की। इसके बाद जयदीप के सुपर टैकल

#### महिला टीम ने भी 37-34 से जीता फाइनल

पुरुषों से पहले भारतीय महिला टीम ने ईरान को 37-34 से हराकर गोल्ड जीता। हाफटाइम तक भारत 22-16 से आगे था। दूसरे हाफ में ईरान ने वापसी करते हुए अंतर एक अंक तक ला दिया था। इसके बाद संजु देवी ने अहम रेड से भारतीय बंदत को फिर मजबूत किया। वर मिहट बाकी रहते भारत 34-28 से आगे था। आखिरी मिनट में ईरान को अंक की जरूरत थी, लेकिन भारतीय डिफेंस ने शानदार टैकल किया।

## नाबालिग से शादी रेप केस में बचाव नहीं: दिल्ली हाईकोर्ट

एजेंसी►►नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 वर्षीय लड़की से रेप के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ दर्ज केस रद्द करने से इनकार कर दिया। जस्टिस संजीव नरुला ने आदेश में कहा कि नाबालिग से शादी आरोपी को कानूनी कार्रवाई से नहीं बचा सकती। दावा था कि मुस्लिम रीति से हुई शादी के बाद लड़की

पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान को एक बार फिर बेनकाब किया

हरिभूमि ब्यूरो►►नई दिल्ली

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूनजीए) के 81वें वार्षिक सत्र से पहले आतंकवाद को लेकर भारत द्वारा पूरी दुनिया के सामने बेनकाब किए गए पाकिस्तान पर हिंदी का यह मुहावरा बिलकुल सटीक बैठता हुआ नजर आता है कि ‘उल्टा चोर कोतवाल को डांटे’। पूरा मामला बोते शुक्रवार को वैश्विक जहाजरानी, नाविकों की सुरक्षा के लिए गठित किए गए मित्र समूह की बैठक के बाद हुई मीडिया

## भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का पश्चिम बंगाल का दो दिवसीय दौरा आज से

नवीन उच्चस्तरीय संगठनात्मक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेगे, विधायकों और मंत्रियों के साथ विशेष राजनीतिक सत्र में हिस्सा लेंगे

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आज रविवार 27 और कल सोमवार 28 सितंबर को पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय अत्यंत महत्वपूर्ण

## बोले विदेश मंत्री, एक आतंकवादी देश मुझसे यह सवाल पूछ रहा है। अरे यार...

## यूएन में आतंकवाद पर भारत को कठघरे में खड़ा करने वाले पाकिस्तानी पत्रकार को जयशंकर की खरी-खरी

पाकिस्तान के पत्रकार ने तोड़े ब्रीफिंग के नियम

दरअसल, इस बैठक को भारत और लाइबेरिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। जिसमें विदेश मंत्री जयशंकर के अलावा लाइबेरिया की विदेश मंत्री सारा बेसोलो न्यांती ने भाग लिया। मीडिया ब्रीफिंग में संघ संचालन की जिम्मेदारी यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि और वरिष्ठ राजदूत पर्वतमेनी हररीश संगाल रहे थे।

आतंकवाद पर लगी मिर्ची पर निकाली खीज

यहां गौर करने वाली एक बात ये है कि इस बैठक से लगभग 24 घंटे पहले यानी गुरुवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रवेश करते वक़्त एक भारतीय पत्रकार द्वारा उनसे पूछा गया था कि आप आतंकवादियों को पनाह देंगे कब बंद करेंगे?

## तीन लोग मामूली रूप से झुलसे प्लास्टिक मोल्डिंग फैक्ट्री में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ►►नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के समयपुर बादली औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार देर रात प्लास्टिक मोल्डिंग की एक फैक्ट्री में आग लगने से तीन लोग मामूली रूप से झुलस गए। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है।

पुलिस के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र के फेज-2 में शुक्रवार रात करीब साढ़े 12 बजे आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद दमकल की कई गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। दिल्ली अग्निशमन सेवा को आग लगने के संबंध में कई सूचनाएं मिलीं, जिसके बाद कुल 15 दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया। इनमें 'ब्रैंटो एरियल लेडर प्लेटफॉर्म' भी शामिल था।



पुलिस के अनुसार यह फैक्ट्री एक ऐसी इमारत में स्थित थी, जिसमें तहखाना, भूतल, पहली और दूसरी मंजिल है तथा छत पर एक अस्थायी ढांचा भी बना हुआ था। आग पर देर रात तीन बजकर 15 मिनट पर काबू पाया गया। इसके बाद कूलिंग का कार्य किया गया। इस घटना में तीन लोग धर्मवीर (32), मोहम्मद सरख (41) और अमित (34) मामूली रूप से झुलसे हैं। पुलिस व दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही आम लोगों ने तीनों को बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। बाद में तीनों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

### विवेक विहार में झगड़े के दौरान फायरिंग, तीन अरेस्ट

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के विवेक विहार इलाके में कस्टर्बा अंडरपास के पास शुक्रवार देर रात दो पक्षों में हुई झगड़े के दौरान एक व्यक्ति ने फायरिंग कर दी। फायरिंग हवा में की गई जिससे कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने कार्रवाई करते हुये मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि विवेक विहार पुलिस स्टेशन को शुक्रवार रात 11 बजे हवा में गोली चलने की सूचना के संबंध एक पीसीआर कॉल मिली। पुलिस कस्टर्बा अंडरपास के पास मौके पर पहुंची, जहां गोली चलने से संबंध कुछ सबूत मिले। जांच के दौरान पता चला कि दो गुटों के बीच झगड़ा हुआ था, जिसमें धनंजय प्रथम ने हवा में गोली चलाई और उसके बाद हाथापाई हुई। शिकायतकर्ता को कोई बाहरी चोट नहीं आई। कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान करने के लिए एक टीम गठित की गई और कुछ ही घंटों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

## उपमहापौर ने पूर्वी क्षेत्र में चलाया मेगा स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ►►नई दिल्ली

उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत की अगुवाई में पूर्वी क्षेत्र में मेगा स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत के अलावा 40 से अधिक स्वयंसेवकों ने भी सक्रिय हिस्सा लेते हुए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया। इस मौके पर उपमहापौर के अलावा जलाल चेरमेन पशुपाल सिंह कैतुरा, पूर्वी जोन के उपायुक्त अजहरुद्दीन जहीरुद्दीन काजी तथा वार्ड पार्षद रमेश गर्ग, एससीडी अधिकारी एवं फील्ड स्टाफ आदि मौजूद थे। इस अवसर पर उपमहापौर ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। इस कड़ी में शनिवार को एससीडी के पूर्वी जोन द्वारा राजधानी एक्वलेव पार्क में एक मेगा स्वच्छता अभियान तथा गुजरत विहार से कड़कड़ी मोड़ तक विशेष रोड डस्ट क्लीनिंग ड्राइव चलाया गया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों की सफाई, कचरे एवं मलबे के निस्तारण तथा सड़क किनारे जमा धूल को हटाने पर विशेष जोर दिया गया। अभियान के तहत लगभग 8 टन मलबा, म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट और रोड डस्ट हटाया गया। उन्होंने बताया कि सुबह अभियान के दौरान एससीडी की टीमों ने राजधानी एनक्लेव पार्क सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों और मार्गों पर व्यापक सफाई की। अभियान ने लगभग 5 टन मलबा, 2 टन म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट (एसएसडब्ल्यू) और 1 टन रोड डस्ट एकरने कर हटाया गया। पार्क की सफाई एवं सौकर्योत्तरण पर भी विशेष ध्यान दिया गया। अभियान में वृक्षित फाउंडेशन के 40 से अधिक स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी की।

■ आठ टन मलबा, कूड़ा और रोड डस्ट हटाया

## मेडिसिन ओपीडी में रेबीज पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम ‘कुत्ते के काटने को हल्के में न लें मरीज’



हरिभूमि न्यूज ►►नई दिल्ली

कुत्ते या किसी संक्रमित पशु के काटने के बाद लोग अक्सर चोट को मामूली समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यही लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। रेबीज एक गंभीर और घातक बीमारी है, जिससे बचाव संभव है, बशर्ते पशु के काटने या खरोंचने के बाद समय पर प्राथमिक उपचार और

चिकित्सकीय सलाह ली जाए। दिल्ली सरकार के नरेला स्थित सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल की मेडिसिन ओपीडी में रेबीज को लेकर आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में डॉ. तरूण और डॉ. अमित ने यह बात कही। कार्यक्रम के दौरान मरीजों और उनके परिजनों को रेबीज के संक्रमण, इसके लक्षण, बचाव और पशु के काटने के बाद बरती जाने

## छह साल से फरार हत्यारोपी चढ़ा क्राइम ब्रांच के हथे

हरिभूमि न्यूज ►►नई दिल्ली

जहांगीर पुरी थाना अंतर्गत हत्या के मामले का मुख्य आरोपी क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार किया गया है। आरोपी 2020 से फरार था। इसे छह साल बाद कंझावला से गिरफ्तार किया गया। 35 वर्षीय मो. शेख शब्बीर बार बार अपना ठिकाना बदल रहा था।

पुलिस के अनुसार गंभीर अपराधों में शामिल हार्डकोर और लंबे समय से फरार अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के उद्देश्य से शुरू किए गए 'ऑपरेशन कवच' के तहत क्राइम ब्रांच को यह कामयाबी मिली है। छह साल पुराने हत्या के मामले में शेख शब्बीर को गिरफ्तार किया है। इसके बारे में



सूचना मिली थी कि वह कंझावला गांव में छिपा हुआ है। सूचना को विकसित किया गया और फील्ड वेरिफिकेशन व टेक्निकल सर्विलांस के जरिए प्ति करने के बाद इंस्पेक्टर पंकज

ठाकरान के नेतृत्व वाली रेंडिंग टीम ने छापेमारी के बाद शेख शब्बीर को गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि 29 अप्रैल 2020 को सिराज अली (35) जहांगीर पुरी में झुग्गी नंबर जी-636 पर

ठाकरान के नेतृत्व वाली रेंडिंग टीम ने छापेमारी के बाद शेख शब्बीर को गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि 29 अप्रैल 2020 को सिराज अली (35) जहांगीर पुरी में झुग्गी नंबर जी-636 पर

## दावे व आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा 30 अक्टूबर तक बढ़ाई, 30 नवंबर तक निपटारा

हरिभूमि न्यूज ►►नई दिल्ली

केंद्रीय चुनाव आयोग ने दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) अशोक कुमार के विशेष अनुरोध पर विचार करते हुए एसआईआर प्रक्रिया के तहत लोगों के दावों व आपत्तियों को दाखिल करने की समय-सीमा 30 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। जबकि पहले इसकी अंतिम तारीख 30 सितंबर तय थी। वहीं दूसरी तरफ सभी दावों व आपत्तियों के निपटारे की अंतिम तारीख भी बढ़ाकर 30 नवंबर 2026 तक कर दी गई है। जबकि मतदाताओं की अंतिम सूची 4 दिसंबर 2026 को जारी की जाएगी।

इसके अलावा लोगों को राहत देने के लिए नोटिस मिलने वाले मतदाताओं को कहीं किसी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। क्योंकि चुनाव आयोग ने फैसला किया है कि संबंधित बीएलओ नोटिस वाले लोगों के घर घर जाकर सभी जरूरी कागजात चेक करके जमा करेंगे। एसआईआर विवाद और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाकर उनको पद से हटाने और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग के बीच दिल्ली के मतदाताओं के लिए



फाईल फोटो।

आयोग ने एक बड़ा और राहत भरा कदम उठाया है। सीईओ कार्यालय दिल्ली से प्राप्त जानकारी अनुसार दिल्ली में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि को लगभग एक माह आगे बढ़ा दिया है। वहीं इनके निपटारे की अंतिम समय सीमा भी बढ़ाई गई है। आयोग के इस फैसले से उन हजारों मतदाताओं और नए युवाओं को बड़ी राहत मिलगी जो किन्हीं कारणों से तय समयसीमा के भीतर अपने कागजात पत्र नहीं कर पा रहे थे। सीईओ कार्यालय के अनुसार आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार एसआईआर प्रक्रिया के दौरान जिन लोगों को अनमैपिंग या तार्किक

■ नोटिस वाले मतदाताओं के घरअब खुद पहुंचेंगे बीएलओ, जरूरी कागजात चेक करके करेंगे जमा

विसंगतियों के चलते नोटिस जारी किए गए हैं, उन्हें अब लगभग में ईआरओ या ईईआरओ कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। क्योंकि आयोग के स्पष्ट निर्देश हैं कि ऐसे मामलों में बूथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ खुद संबंधित व्यक्ति के घर जाएंगे और दस्तावेजों को संग्रह करेंगे। इसके बाद इन दस्तावेजों को ईसीआईनेट पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा, जिस पर ईआरओ द्वारा अंतिम निर्णय लिया जाएगा। कार्यालय के अनुसार किसी मामले में अपवाद स्वरूप ही व्यक्तिगत सुनवाई की आवश्यकता पड़ सकती है। लेकिन इसमें अब प्राथमिकता के आधार पर ऑनलाइन सुनवाई की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। राहत का दावा बढ़ाते हुए आयोग ने निर्णय लिया है कि यदि मुख्य मतदाता किसी कारणवश उपस्थित नहीं हो पाता है, तो परिवार का कोई भी वयस्क सदस्य उसकी ओर से अधिकृत रूप से इस सुनवाई में शामिल हो सकता है।

### लक्ष्मी योजना के स्वीकृति पत्र बांट कर भाजपा सरकार ने की सिर्फ नौटंकी : यादव

नई दिल्ली। तालकटोरा स्ट्रेडियम में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली सरकार ने लक्ष्मी योजना के लिए कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं को स्वीकृति पत्र बांट कर सिर्फ नौटंकी की है। यह आरोप शनिवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने लगाया है। यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्वीकृति पत्र बांटते हुए बताया कि 9 लाख महिलाओं ने पंजीकरण करा दिया है, जबकि वास्तविक आंकड़ा 7 लाख है। मैं पूछना चाहता हूँ कि जब पंजीकृत लाखों महिलाओं ने लक्ष्मी योजना की सभी शर्तों को पूरा करके अपना पंजीकरण सफलता पूर्वक पोर्टल पर करा दिया है, तो सरकार उनके खाते में पैसा क्यों नहीं डाल रही है, बताएं। क्या मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली की लाखों महिलाओं को झेलत कर रही हैं। यादव ने कहा कि सरकार बने ही पहले 8 मार्च, 2025 महिला दिवस और फिर 28 अगस्त, 2026 को महिलाओं को 2500 देवे का दावा दिया था, लेकिन अब सरकार के 19 महीने हो चुके हैं लेकिन अभी तक दिल्ली की महिलाओं के खाते में पैसा नहीं आया है। यादव ने मांग की है कि प्रधानमंत्री दिल्ली सरकार के लिए निर्देश जारी करें कि समाज के लिए काम करने की दिशा में तुरंत दिल्ली की 7 लाख महिलाओं को 2500 रुपये की मासिक किस्त उनके खाते में भिजवाएं।

**अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**  
**धारा 82 Cr.P.C. देखिए**  
मेरे सम्मक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त **सुशील कुमार चर्फ छिपकली, पुत्र: शिवाजी शाह, पता: म. नं. 74, गोल डाक खाना, जी. पौडेंट, थाना- मंदिर मार्ग, नई दिल्ली, अन्य पता: ग्राम- पक्षी गली, खारा कुरा, जिला पटना, थाना- आलम गंज, विहार** ने मुकदमा **FIR No. 366/02, U/s 382/411 IPC, थाना- नई दिल्ली रेलवे स्टेशन** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुशील कुमार चर्फ छिपकली** मिल नहीं रहा है और मुझे सामानाप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुशील कुमार चर्फ छिपकली** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।  
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 366/02, U/s 382/411 IPC, थाना: नई दिल्ली रेलवे स्टेशन** के उक्त अभियुक्त **सुशील कुमार चर्फ छिपकली** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।  
आदेशानुसार  
सुशी मानसी मलिक  
DP/13569/Rly/2026 (Court Matter)  
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी – 02  
कमरा नं. 296A, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

**अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**  
**धारा 82 Cr.P.C. देखिए**  
मेरे सम्मक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त **निर्मल नारायण, पुत्र: गणेश चंद्र, पता: गांव- सिंधिया, थाना- सिंधिया, जिला – समस्तीपुर, बिहार; अन्य पता: बी-3, चतुर्थ नल, डीडीए गोल्लू लिंक, सेक्टर-23, हारका, दिल्ली** ने मुकदमा **FIR No. 41/22, U/s 33 Delhi Excise Act, थाना: नई दिल्ली रेलवे स्टेशन** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **निर्मल नारायण** मिल नहीं रहा है और मुझे सामानाप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **निर्मल नारायण** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।  
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 41/22, U/s 33 Delhi Excise Act, थाना: नई दिल्ली रेलवे स्टेशन** के उक्त अभियुक्त **निर्मल नारायण** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।  
आदेशानुसार  
मानसी मलिक  
DP/13393/Rly/2026 (Court Matter)  
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी – 02  
कमरा नं. 296A, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

# बुराड़ी में देश के सबसे बड़े ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन का किया उद्घाटन

# प्रदूषण के खिलाफ नई तकनीकों से कार्य कर रही है सरकार: रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज»नई दिल्ली

वाहनों का सही फिटनेस, सटीक जांच और बेहतर निगरानी से दिल्ली सरकार प्रदूषण के खिलाफ पूरी मजबूती के साथ कार्य कर रही है। ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को बुराड़ी में अत्याधुनिक ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा वाहन फिटनेस जांच व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। बुराड़ी स्थित इस पांच लेन वाले ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन की प्रतिवर्ष एक लाख वाहनों की फिटनेस जांच करने की क्षमता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के लिए यह खुशी का अवसर है कि राजधानी में देश के सबसे बड़े ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशनों में से एक स्थापित हुआ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बुराड़ी एटीएस में 40



### स्वचालित प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा फिटनेस

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि यहां वाहनों की फिटनेस का परीक्षण पूरी तरह स्वचालित प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। इसमें ब्रेक दक्षता, सस्पेंशन प्रदर्शन, हेडलाइट की स्थिति, साइड-रिलफ, उत्सर्जन स्तर और वाहन के निचले हिस्से की जांच सहित विभिन्न मानकों का परीक्षण किया जाएगा। इससे पहले 3 सितंबर को तेखंड में प्रतिवर्ष लगभग 72 हजार वाहनों की फिटनेस जांच क्षमता वाले ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन का शुभारंभ किया गया था।

हजार भारी मोटर वाहनों और 60 हजार हल्के मोटर वाहनों की वार्षिक जांच की जा सकेगी। यह पांच-लेन वाला आधुनिक ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन वाहनों

को फिटनेस जांच को वैज्ञानिक, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि बुराड़ी

### विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ किया जा रहा है कार्य

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण के समाधान के लिए केवल सर्दियों में किए जाने वाले अस्थायी उपाय पर्याप्त नहीं हैं। सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की पूरे वर्ष चलने वाली निरंतर प्रक्रिया के रूप में लिया है और परिवहन, हरित क्षेत्र के विस्तार, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, कचरा प्रबंधन तथा तकनीक आधारित निगरानी सहित विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ काम किया जा रहा है। प्रदूषण किसी एक सीमा तक सीमित नहीं रहता और दिल्ली-पनसीआर की वायु गुणवत्ता कई क्षेत्रों से प्रभावित होती है, लेकिन दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए आवश्यक ठोस कदम उठाना सरकार की जिम्मेदारी है। इसी सोच के तहत वाहन फिटनेस जांच व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है।

### प्रदूषण जांच केंद्रों को भी बनाया जाएगा विश्वसनीय

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र जारी करने वाले पौखूसी केंद्रों की व्यवस्था को भी अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बनाया जाएगा। दिल्ली में एक अक्टूबर से वंश प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र से संबंधित प्रवर्तन व्यवस्था को लागू किया जाएगा। इसके साथ ही पौखूसी केंद्रों की निगरानी और व्यवस्था को तकनीक से मजबूत करने पर भी काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल प्रदूषण की समस्या पर चर्चा करना नहीं, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस, दीर्घकालिक और प्रभावी कदम उठाना है। सरकार का प्रयास है कि परिवहन व्यवस्था स्वच्छ भी हो, सुरक्षित भी हो और तकनीक से सक्षम भी हो। वाहन फिटनेस जांच को मजबूत करना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, क्योंकि सड़क पर चलने वाले वाहनों की निर्धारित फिटनेस और उत्सर्जन मानकों का पालन सुनिश्चित करना स्वच्छ हवा और सुस्थित परिवहन व्यवस्था के लिए आवश्यक है।

### तकनीक से होगी सटीक और पारदर्शी वाहन फिटनेस जांच : डॉ. पंकज

परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि बुराड़ी में ऑटोमेटेड टेस्टिंग सेंटर (एटीएस) की शुरुआत दिल्ली की वाहन फिटनेस जांच व्यवस्था को आधुनिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि नंद नगरी, तेहखंड और बुराड़ी में एटीएस शुरू होने से दिल्ली में ऑटोमेटेड वाहन टेस्टिंग की कुल क्षमता सालाना 2 लाख 50 हजार से अधिक वाहनों की हो गई है। इससे कमशियल वाहनों को घर के नजदीक आधुनिक फिटनेस जांच की सुविधा मिलेगी।

एटीएस को रिकॉर्ड एक वर्ष में तैयार किया गया है और करीब एक लाख वाहनों की वार्षिक क्षमता के साथ यह देश के अधिक

क्षमता वाले ऑटोमेटेड टेस्टिंग सेंटरों में शामिल है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार

सुरक्षित, पारदर्शी और तकनीक आधारित परिवहन व्यवस्था के निर्माण के लिए लगातार काम कर रही है।

# विभाग ने 6 संपत्तियों पर लगाई सील

# निगम का तोड़फोड़ अभियान जारी, 15 पर चला हथौड़ा

हरिभूमि न्यूज»नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का सभी 12 जोन में प्रवर्तन अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में शनिवार को एमसीडी के भवन विभाग ने अभियान के तहत 15 जगह अवैध निर्माण पर हथौड़ा चलाया। एमसीडी के अनुसार इस दौरान 6 संपत्तियों को सील किया गया और भवन निर्माण संबंधी निर्धारित मानदंडों के उल्लंघन के मामले में 5 को ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किए गए हैं। आज के प्रवर्तन अभियान के दौरान तोड़फोड़ दस्ते ने मोती नगर, बलजीत नगर, गोकुलपुरी, मुस्तफाबाद, दिलशाद गार्डन, वजीराबाद, बुराड़ी, कृष्ण नगर और शालीमार बाग सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को अंजाम दिया। एमसीडी ने दोहराया कि उसके अधिकार क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण तथा भवन निर्माण संबंधी मानदंडों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। निगम ने क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी बनाए रखें तथा एमपीडी, भवन



उपविधियों और अन्य संबंधित नियमों के लागू प्रावधानों के अनुसार उल्लंघनों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। सभी 12 जोनों में यह प्रवर्तन अभियान आगे भी ऐसे ही लगातार जारी रहेगा। अनधिकृत निर्माण, खतरनाक भवनों तथा जनसुरक्षा के लिए जोखिम उत्पन्न करने वाले अन्य उल्लंघनों के खिलाफ निरंतर निगरानी रखते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। एमसीडी ने बताया कि शुक्रवार को भी व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया गया था, जिसके दौरान एमपीडी एवं भवन उपविधियों के उल्लंघन के मामलों में 38 संपत्तियों का ध्वस्तीकरण किया गया तथा 6 संपत्तियों को सील किया गया था।

## कई दिनों बाद दिल्ली में हुई राहत की बारिश, आज भी तेज हवा के साथ बारिश की संभावना

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली से मानसून की समय पूर्व विदाई और लंबे अंतराल के बाद शनिवार को कई जगह राहत की बारिश हुई। बारिश व हवाओं के चलने से मौसम सुहावना बना रहा और तापमान में एकएकक 5 डिग्री तक की बड़ी गिरावट से लोगों ने उमस व गर्मी से राहत महसूस की। प्रादेशिक मौसम विज्ञान विभाग दिल्ली (आईएमडी) ने पहले ही बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया था। आईएमडी का अनुमान है कि रविवार को भी दिल्ली में बारिश देखने को मिल सकती है। दिल्ली में सुबह से ही मौसम सुहावना बना रहा, दिनभर आसमान पर बादलों का जमावड़ा देखा गया। तेज व ठंडी हवाओं ने मौसम का रुख बदलने को बाद दिल्ली में अधिकतम तापमान में पांच डिग्री से अधिक की गिरावट देखने को मिली। अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 5.1 डिग्री सेल्सियस नीचे है। जबकि न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस नीचे है। बता दें कि दिल्ली में इस बार मानसून अपने तय समय से दो दिन पहले यानी 23 सितंबर को ही विदा हो गया था। बावजूद इसके दिल्ली में सामान्य कोटे से कहीं अधिक पहले ही दर्ज हो चुकी थी। मानसून की विदाई से काफी पहले से ही दिल्ली में मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहा जिससे बढ़ते तापमान व उमस ने लोगों को परेशान करने में कसर नहीं छोड़ी।

# रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ पूजा की तैयारियों पर होगा फोकस

# दिल्ली सरकार ने गठित कीं तीन विशेष समितियां

हरिभूमि न्यूज»नई दिल्ली

दिल्ली में आगामी दिनों में मनाए जाने वाले आस्था व भक्तिभाव के पर्व रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ पूजा को श्रद्धा, अपनत्व और सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित कराने तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर तीन अलग-अलग विशेष समितियों का गठन किया गया है। रामलीलाओं के लिए समिति की कमान मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह को, दुर्गा पूजा के लिए कपिल मिश्रा की अध्यक्षता में समिति बनी है। इसके साथ ही कपिल मिश्रा छठ पूजा की तैयारियों



की निगरानी करेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि ये समितियां संबंधित पर्वों के लिए स्थानों की समीक्षा और अंतिम रूप देने के साथ-साथ आयोजन स्थलों पर आवश्यक

नागरिक सुविधाओं, सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, बिजली, चिकित्सा तथा अन्य व्यवस्थाओं की निगरानी और समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

### लाखों लोगों की श्रद्धा और भावनाएं जुड़ी: सीएम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ पूजा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि दिल्ली की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता को जोड़ने वाले आस्था के महत्वपूर्ण पर्व हैं। इन पर्वों से लाखों लोगों की श्रद्धा और भावनाएं जुड़ी हैं। हमारी सरकार का प्रयास है कि श्रद्धालु पूरी श्रद्धा, भक्ति और आत्मभिरता के साथ अपने पर्व मना सकें और उन्हें आयोजन स्थलों पर किसी प्रकार की अनुविधा का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार, दिल्ली सरकार का उद्देश्य है कि राजधानी में इन प्रमुख धार्मिक पर्वों के दौरान श्रद्धालुओं और आयोजन समितियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता समय रहते

सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना है, ताकि धार्मिक आयोजनों में सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता और सौहार्द का वातावरण बना रहे। दिल्ली में सभी पर्वों और परंपराओं का सम्मान करते हुए सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि आस्था के साथ व्यवस्था और सुविधा का भी पूरा ध्यान रखा जाए।

# कबाड़ी की झुग्गी में ‘नर कंकाल’ मिलने से मचा हड़कंप

- कबाड़ी को गिरफ्तार करके जांच करें पुलिस : भाजपा
- भाजपा को स्वच्छता अभियान के दौरान मिला बक्सा



हरिभूमि न्यूज»नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा के उपाध्यक्ष एवं स्वच्छता अभियान संयोजक राजेश भाटिया, सह कार्यलय मंत्री अमित गुप्ता एवं पूर्व महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं कर्मचारियों की एक टोली आगामी दुर्गा उत्सव की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए शनिवार सफाई अभियान चलाया। इस दौरान उस वकत हड़कंप मंच गया जब कबाड़ी मोहम्मद शकील की झुग्गी से एक डिब्बे में मानव कंकाल बरामद हुआ जिसकी सुचना तुरंत स्वच्छता अभियान संयोजक राजेश भाटिया एवं दिल्ली पुलिस को दी गई। बताया गया कि कबाड़ी ने खुद को बढ़ायू का रहने वाला

बताया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दिल्ली भाजपा के उपाध्यक्ष राजेश भाटिया ने कहा है कि मोहम्मद शकील ने अपने बचाव में कहा कि यह कंकाल बावस एक स्थानीय स्कूल से कबाड़ समान में खरीदा था लेकिन जब स्कूल से बात की तो स्कूल प्रशासन ने कहा कि हम तो 10-12 वर्ष से ऐसे कंकाल नहीं रखते, ऐसे में यह भी सवाल उठता है कि कंकाल कोई सामान्य व्यक्ति तो खरीदेगा नहीं तो फिर कबाड़ी शकील ने इसे क्यों खरीदा ? उन्होंने कहा कि मंदिर के इतने पास दुर्गा पूजा से कुछ दिन पूर्व कंकाल मिलने से षड्यंत्र की बू आ रही है और दिल्ली पुलिस इस कबाड़ी को गिरफ्तार करके जांच करे।

### लगभग 15 ट्रक कूड़ा और पार्किंग हटवाई

बता दें कि श्री काली मंदिर जो मिंटो बिज लालबती के पास स्थित है वहां भाजपा कार्यकर्ताओं की टीम सफाई स्वच्छता अभियान चलाते पहुंची तो पहले तो श्री माता काली दुर्गा मंदिर में लगाये जा रहे पंडाल के चारों तरफ व्यापक अतिक्रमण और गंदगी देख कर दंग रह गई। राजेश भाटिया के नेतृत्व में भाजपा की स्वच्छता टीम ने इस क्षेत्र को स्वच्छ करने का संकल्प लिया और श्रमदान में जुट गये। सरदार राजा इकबाल सिंह एवं अमित गुप्ता के साथ श्रमदान कर रहे कार्यकर्ताओं ने निगम कमियों के साथ मिलकर लगभग 15 ट्रक कूड़ा मलवा हटवाया और लगभग 50 अवैध पार्किंग में लगी गाड़ियां हटावाईं।

### औचक निरीक्षण कर कबाड़ियों के उद्घाट प्रशासन

दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, राऊज एवेन्यू एवं माता सुंदरी रोड पर एक बड़ा न्यायालय, स्कूल, कालेज, भाजपा, कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल आदि राजनीतिक दलों के कार्यालय हैं, दो अस्पताल हैं और सैकड़ों छोटे बड़े एजेंसीओं के कार्यालय हैं लेकिन दुष्हद है कि यह पूरा क्षेत्र गंदगंद अतिक्रमण एवं कब्जों की मार झेल रहा है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली निगम निगम आयुक्त एवं पुलिस आयुक्त अतिलब्ध सुरक्षा दृष्टि से यहां का औचक निरीक्षण करके यह कबाड़ियों, मैकेनिकों के अवैध अतिक्रमण को हटवायें।

# उद्यमियों को आगे बढ़ाने में सहयोग कर रही है सरकार: सिरसा

हरिभूमि न्यूज»नई दिल्ली



दिल्ली सरकार का उद्देश्य ऐसा इकोसिस्टम तैयार करना है, जहां उद्यमियों को केवल यह तय करना हो कि वह क्या करना चाहते हैं और सरकार हर चरण में उनका सहयोग करे। दिल्ली सरकार के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को ‘उद्यम संवाद 2026’ कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में

लाइसेंस और पंजीकरण प्राप्त करने से लेकर बाजार, खरीदारों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की पहचान करने तक, हम उद्यमियों की पूरी यात्रा में उनका मार्गदर्शन करना चाहते हैं। बता दें कि उद्योग विभाग द्वारा शनिवार को दिल्ली सचिवालय में ‘उद्यम संवाद 2026’ का आयोजन किया। दिल्ली सरकार एक मजबूत और सक्षम औद्योगिक इकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में कार्य कर रही है। मंत्री सिरसा ने कहा कि इस कार्यक्रम में एमएसएमई, स्टार्टअप, उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों, उद्योग संघों तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और सरकारी सहायता एवं विकास, नवाचार तथा व्यवसाय विस्तार के अवसरों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में उद्योग विभाग, डीएसआईआईडीसी, भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, उद्यमी, स्वयं

## ईडी शेल कंपनियों को मिले करोड़ की मनी ट्रेल की जांच कर दोषियों की गिरफ्तारी क्यों नहीं: सौरभ

हरिभूमि न्यूज»नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक बार फिर भाजपा की दिल्ली सरकार पर करोड़ों रूपए के दवा घोटाले को लेकर आरोप लगाए हैं। भारद्वाज ने आरोप लगाते हुए कहा कि ईडी शेल कंपनियों को मिले करोड़ों रूपए की मनी ट्रेल की जांच कर दोषियों की गिरफ्तारी क्यों नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि सेंटिंग के बाद 650 करोड़ के दवा घोटाले के मास्टरमाइंड ने सरेड कर दिया है। चार्जशीट दाखिल होने और एसीबी चीफ के ट्रांसफर के बाद राजीव रंगीला का सरेडर होना सेंटिंग की ओर इशारा कर रहा है। अब कुछ दिन बाद राजीव रंगीला को बेल मिल जाएगी और धीरे-धीरे मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा। उन्होंने कहा कि अब चार्जशीट दायर होने के बाद वह अमेरिका से वापस आ गया है और उसने एसीबी के सामने सरेडर कर दिया है। चार्जशीट होने के बाद एक आरोपी का अमेरिका से वापस आकर सरेडर करने का सीधा मतलब यह है कि शायद सरकार के साथ उसकी सेंटिंग हो गई है। इसीलिए अब एसीबी में कुछ दिनों की औपचारिकता पूरी होने के बाद उसे बेल मिल जाएगी और धीरे-धीरे यह मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा। भारद्वाज ने आरोप में कहा कि रेखा सरकार में 650 करोड़ रूपए का घोटाला हुआ है।

# डीसीडब्ल्यू दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर महिलाओं की सुरक्षा पर करेगा काम : लता

हरिभूमि न्यूज»नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस, दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) के साथ बेहतर तालमेल एवं समन्वय के साथ कार्य करेंगी और महिलाओं को विरुद्ध हो रहे अपराधों की रोकथाम के संघर्ष में आयोग द्वारा दिए गए सभी उपयोगी सुझावों पर आवश्यक कार्रवाई करेगी। यह आश्वासन शनिवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष लता गुप्ता को दिया है। इस बात की जानकारी डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष लता गुप्ता ने शनिवार को दी। लता ने बताया कि शनिवार को उन्होंने आयोग के सभी नामित सदस्यों के साथ दिल्ली के पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने पुलिस आयुक्त से महिलाओं की सुरक्षा, महिला संबंधी शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई तथा डीसीडब्ल्यू और दिल्ली पुलिस के बीच बेहतर एवं परिणामोन्मुखी समन्वय को लेकर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। बैठक में मुख्य रूप से डीसीडब्ल्यू और दिल्ली पुलिस के बीच नियमित एवं प्रभावी समन्वय व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया गया।



बैठक में लता गुप्त ने कहा कि महिला संबंधी शिकायतों के निस्तारण के लिए थान प्रमारी स्तर तक स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रिया एवं दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि शिकायतों की सुनवाई, पंजीकरण, कार्रवाई और अनुवर्ती कार्रवाई की प्रक्रिया संवेदनशील एवं समग्रबद्ध हो। वहीं उन्होंने कहा कि आयोग और दिल्ली पुलिस के बीच त्वरित संवाद एवं शिकायतों की अनुवर्ती कार्रवाई के लिए एक वरिष्ठ नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए। उपर्युक्त होने के बाद कार्रवाई के साथ-साथ अपराध की जाड़ पर कार्रवाई को प्राथमिकता दी जाए तथा अपराध-प्रवण क्षेत्रों, नशे की तस्करी, संगठित अपराध एवं अन्य संवेदनशील स्थानों की पहचान कर प्रभावी रोकथाम की जाए। इसके साथ ही महिलाओं की शिकायतों और सुरक्षा से जुड़े मामलों में जमीनी स्तर पर पुलिस एवं जनता के बीच बेहतर संपर्क को मजबूत किया जाए।

खबर संक्षेप

**युवक की पत्थर मारकर हत्या, युवती हिरासत में गाजियाबाद।** थाना शालीमार गार्डन में पांच दिन पहले युवक पर पत्थर मारकर घायल कर दिया गया था, जिसकी आज मौत हो गयी। पुलिस ने युवती को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। थाना शालीमार चौकी डीएलएफ क्षेत्र में लाल नगर निगम पार्किंग के पास 20 सितंबर की रात्रि 1 बजे के लगभग एक लड़की ने युवक के सिर में पत्थर मारकर घायल कर दिया था।



शालीमार चौकी डीएलएफ क्षेत्र में लाल नगर निगम पार्किंग के पास 20 सितंबर की रात्रि 1 बजे के लगभग एक लड़की ने युवक के सिर में पत्थर मारकर घायल कर दिया था।

**5 किमी दौड़ से दिया स्वस्थ दिल का संदेश**

फरीदाबाद। विश्व हृदय दिवस से पूर्व मैरिंगो एशिया अस्पताल की ओर से 5 किलोमीटर दौड़ का आयोजन किया गया। इसमें अस्पताल के चिकित्सकों, कर्मचारियों और शहर के करीब 1700 लोगों ने



पंजीकरण कराया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहित शर्मा ने दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डॉ. संजीव चौधरी ने कहा कि हृदय रोग के कई जोखिम कारकों को कम करने का व्यावहारिक माध्यम है।

**पियाला प्लांट में आपदा नियन्त्रण पर मॉक ड्रिल**

फरीदाबाद। भारत पेट्रोलियम पियाला प्लांट में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मॉक ड्रिल की गई। इस दौरान टैंकरों में तेल रिसाव से लगी आग पर काबू पाने का अभ्यास किया। प्लांट में पेट्रोल डीजल का



भंडारण होता है। इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर समय-समय पर मॉक ड्रिल का अभ्यास किया जाता है। दोपहर 12 बजे टैंकरों से तेल रिसाव होने पर लगी आग की सूचना उप महाप्रबंधक सत्य प्रकाश यादव व सुरक्षा अधिकारी काकोली भराली को दी गई।

**एनजीटी और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन होगा 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल व सीएनजी वाहनों की होगी जब्ती**

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ गाजियाबाद

दिल्ली-एनसीआर में अवधि पूरी कर चुके वाहनों के संचालन पर अब प्रवर्तन विभाग सख्ती से कार्रवाई करेगा। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी), उच्चतम न्यायालय तथा के निर्देशों के अनुपालन में जलपद गाजियाबाद में अवधि पूर्ण कर चुके वाहनों के विरुद्ध विपंजीकरण एवं जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन विभाग के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में पंजीकृत 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल तथा 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल/सीएनजी वाहनों का संचालन प्रतिबंधित है। इसके अलावा बीएस-1 एवं उससे पूर्व के उत्सर्जन मानक वाले वाहनों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे वाहन सार्वजनिक स्थान अथवा साइड पार्किंग में खड़े पाए जाने पर भी नियमानुसार कार्रवाई के दायरे में आएंगे।

**भाजपा नेता साहिल अरोड़ा को पितृ शोक**

फरीदाबाद। वरिष्ठ भाजपा नेता साहिल अरोड़ा के पिता सुरेंद्र कुमार का आज लम्बी बीमारी के बाद निधन हो गया। अरोड़ा अपने पिछे भूरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। आज उनकी अंतिम यात्रा एन.एच.तीन नम्बर जी ब्लॉक से तीन नम्बर सैनिक कालोनी मोड़ स्थित शमशान भूमि पर पहुंची जहां उनकी अंत्येष्टि की गई। उनकी अंतिम यात्रा में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, विधायक धनेश अदलक्खा, पूर्व मंत्री सीमा खिन्ना, विधायक सतीश फागना, वरिष्ठ भाजपा नेता अजय गौड़, भाजपा जिलाध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, नगर निगम के पूर्व वरिष्ठ उपमहापौर, प्रबन्ध विमानिनी, सुमित गौड़, कविन्द्र फागना, बृजमोहन भड़ाना, रोहित भाटिया, सरदार रविन्द्र सिंह राणा, ओमप्रकाश अदलखा, पूर्व पार्षद योगेश ढींगड़ा, पार्षद मनोज नासवा, आर.एस. गांधी, मोहन सिंह भाटिया, ललित गोस्वामी, प. सुरेंद्र शर्मा, विजय बैसला, बंटी भाटिया, सरदार बंटी भाटिया सहित शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि सुरेंद्र कुमार एक सामाजिक व्यक्ति थे उन्होंने हमेशा ही समाज के लिए काम किया उन्होंने कहा कि यह कुदरत का नियम है कि जो आया है वह जाएगा, मगर उनका अभी जाने का समय नहीं था वह हमारे बीच में से चले गए, भगवान उनको अपने चरणों में वास दें।

**मरीजों के लिए विशेष पोषाहार कार्यक्रम का मन्व्य आयोजन किया गया**

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ फरीदाबाद

जिला रैडक्रास सोसाइटी फरीदाबाद द्वारा संचालित अन्नदान.महादान मुहिम के तहत सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज सैनी परिवार के द्वारा स्वर्गीय ओम प्रकाश सैनी एवं यशोदा देवी की पुण्य स्मृति के अवसर पर रैडक्रॉस भवन सेक्टर-12 फरीदाबाद में आर्थिक रूप से कमजोर तपेदिक मरीजों के लिए एक विशेष पोषाहार वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में लायन अनिल अरोड़ा, संरक्षक भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी ने मुख्य अतिथि के रूप में

**रैडक्रास सोसायटी ने तपेदिक मरीजों को पोषाहार भेंट किया**

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ फरीदाबाद

शिरकत की। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने कहा कि श्मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। सैनी परिवार और जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा उठाया गया यह कदम समाज के लिए एक बेहतरीन मिसाल है।

हम सभी को एकजुट होकर टीबी मुक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। इस कार्यक्रम में विक्टोरा टेक्नोलॉजीज प्रा. लि. के सीएसआर हेड अजय सोमवंशी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और सही पोषण हर नागरिक का मूलभूत अधिकार है।

**पोषण हर नागरिक का मूलभूत अधिकार है**



**सीएम सैनी करेंगे नशा-मुक्त हरियाणा फरीदाबाद नमो मैराथन-2026 को फ्लैग ऑफ**

**नशा-मुक्त हरियाणा फरीदाबाद नमो मैराथन-2026 की तैयारियां पूरी : डीसी**

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ फरीदाबाद

उपायुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि नशा.मुक्त हरियाणा फरीदाबाद नमो मैराथन.2026 का उद्देश्य युवाओं और आमजन को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा फिटनेस के प्रति जागरूक करना है। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला प्रशासन फरीदाबाद द्वारा आगामी 27 सितंबर को सूरजकुंड मेला ग्राउंड में आयोजित की जा रही डूंग-फ्री हरियाणा फरीदाबाद नमो हाफ मैराथन-2026 की तैयारियां का आज शनिवार को उपायुक्त आयुष सिन्हा ने जायजा लिया। डीसी सिंहा ने कार्यस्थल का निरीक्षण किया डीसी आयुष सिन्हा ने कार्यक्रम स्थल पर मुख्य मंच, प्रतिभागियों के लिए प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, पार्किंग, बैरिकेडिंग, पेयजल, चिकित्सा एवं एंबुलेंस व्यवस्था, स्वच्छता, सुरक्षा, विद्युत आपूर्ति, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

▶▶ आज से शुरू होगा मैराथन का रोमांच, 21 किमी दौड़ 6:15 और 10 किमी दौड़ 6:30 बजे होगी शुरू ▶▶ नमो हरियाणा का यही अरमान, नशा मुक्त रहे हर इंसान के संदेश के साथ होगी फरीदाबाद नमो मैराथन



**क्रिकेटर शिखर धवन सहित कई प्रमुख हस्तियों ने दिया समर्थन**

डीसी आयुष सिन्हा ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा नशा-मुक्त हरियाणा फरीदाबाद नमो मैराथन-2026 की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नाराय सिंह सैनी मैराथन को पलैंग ऑफ करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा सरकार में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, खाद्य, नागरिक आपूर्ति राज्यमंत्री राजेश नागर, बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा, बड़खल विधायक धनेश अदलखा तथा एनआईटी फरीदाबाद विधायक सतीश

फागना की गरिमाययी उपस्थिति रहेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा से जुड़े विभिन्न खेल, कला, सांस्कृतिक और फिल्म जगत के जाने-माने लोगों और भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन सहित अन्य कई प्रमुख हस्तियों ने भी इस पहल को अपना समर्थन दिया है।

**अधिकारी गण मौजूद रहे**

निरीक्षण के दौरान एडीसी अंजलि श्रीव्रिया, बडखल एसडीएम त्रिलोक चंद, एचएसवीपी एस्टेट अधिकारी नवीन कुमार, ज्वाइंट कमिश्नर एमसीएफ अमित मान, सीटीएम अंकित कुमार, डीआईपीआरओ मूर्ति दलाल सहित अन्य सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

**अभियान का शुभारंभ सर्वप्रिय त्यागी ने किया सेवा संकल्प अभियान के तहत वार्ड-3 में स्वच्छता अभियान**

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ गुरुग्राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रवा्याी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरुग्राम नगर निगम के वार्ड-3 में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का शुभारंभ भाजपा गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने किया।

इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते हुए स्वच्छ एवं सुंदर गुरुग्राम का संदेश दिया। इस अवसर पर सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि स्वच्छ और सुंदर शहर बनाना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। जनप्रतिनिधियों,

प्रशासन, सामाजिक संगठनों और आमजन की सक्रिय भागीदारी से ही स्वच्छता को स्थायी जनअभियान का रूप दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से देशभर में स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ने का कार्य किया गया है। सेवा संकल्प अभियान इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को सेवा और जनकल्याण के कार्यों से जोड़ने का माध्यम है। नागरिकों से अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने, कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने और दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था में निरंतर योगदान देने वाले सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया।

**स्वर्णकार समाज ने मांगों का ज्ञापन सौंपा**

**महाराजा अजमीढ़ देव जयंती पर मंत्री कृष्णपाल गुर्जर को बतौर मुख्य अतिथि को दिया निमंत्रण**

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ फरीदाबाद

स्वर्णकार समाज फरीदाबाद के प्रतिनिधिमंडल ने आज केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर से उनके सैक्टर-28 स्थित कार्यालय पर मुलाकात की। इस अवसर पर स्वर्णकार समाज फरीदाबाद के प्रतिनिधिमंडल ने अजमीढ़ देव जयंती पर केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर को बतौर मुख्य अतिथि निमंत्रण दिया। इस अवसर पर स्वर्णकार समाज

फरीदाबाद ने एक मांगों का ज्ञापन भी केन्द्रीय राज्य मंत्री शगुर्जर को सौंपा।

इस स्वर्णकार समाज फरीदाबाद के प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप हरियाणा नम्बरदार एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव सतवीर वर्मा नम्बरदार, आरपी वर्मा सीनियर एडवोकेट, बल्लभगढ़ स्वर्णकार समाज के प्रधान कन्हैया लाल वर्मा, ओल्ड फरीदाबाद स्वर्णकार समाज के प्रधान बलदेव राज वर्मा आदि।

**मोदीनगर में छात्रों ने जूलूस निकाला,प्रशासन को ज्ञापन सौंपा**

गाजियाबाद। मोदीनगर में शनिवार को एमएम डिग्री कॉलेज के छात्रों ने आरक्षण विरोधी आंदोलन में जान गंवाने वाले युवराज सिंह और संजय कौशिक की याद में जूलूस निकाला। उन्होंने राज चौपाले को शहीद स्थल घोषित करने की मांग पर उप जिलाधिकारी और एसीपी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान नगर की ज्यादातर दुकानें और बाजार बंद रहे। 26 सितंबर 1990 को आरक्षण विरोधी आंदोलन में पुलिस की गोली से एमएम डिग्री कॉलेज के छात्र युवराज सिंह और संजय कौशिक की मौत हुई थी। तब से ही कॉलेज के छात्र हर साल जूलूस निकालकर अधिकारियों को ज्ञापन देते हैं। शनिवार सुबह छात्र एमएम मोदी डिग्री कॉलेज में इकट्ठा होकर युवराज सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जूलूस दिल्ली-मेरठ मार्ग से गोविंदपुरी होते हुए संजय कौशिक की प्रतिमा पर पहुंचा, जहां भी माल्यार्पण हुआ। जूलूस से दिल्ली-मेरठ मार्ग पर जा म लग गया। छात्रों की राज चौपाले को शहीद स्थल बनाने की मांग पूरी नहीं हुई है।

**कार्यालय नगर पालिका परिषद, कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)**

| ॥ तृतीय ई-प्रोक्वोरमेंट निविदा सूचना ॥                                                                                                 |                                                                                                                                                                  |                   |                           |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|---------------------------|
| क्र./1361/लो.क्रि./न.पा./2026                                                                                                          |                                                                                                                                                                  |                   |                           |
| एकीकृत पंजीवन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत टेकदेवरी से निम्नालिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है :- |                                                                                                                                                                  |                   |                           |
| सिस्टम नंबर                                                                                                                            | कार्य का नाम                                                                                                                                                     | अनु.ला. (लाख में) | निविदा दाखल की अंतिम तिथि |
| 1999921                                                                                                                                | Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Kunharri, Chhattisgarh | 112.45            | 05.10.2026                |

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञापन निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्वोरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद, कुम्हारी

**अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

**घारा 82 CrPC/84BNSS देखिए**

मेरे समक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त विनोद कुमार पुत्र वेद प्रकाश निवासी मकान नंबर एच-83, बस्ती निजामुद्दीन, नई दिल्ली ने FIR No. 380/2017 U/S 20(b)(ii)B NDPS Act, अन्तर्गत थाना बदरपुर, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त विनोद कुमार मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त विनोद कुमार फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामीनी से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि FIR No. 380/2017 U/S 20(b)(ii)B NDPS Act, अन्तर्गत थाना बदरपुर, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त विनोद कुमार से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक 29.10.2026 को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,  
श्री कुमार रजत  
एसजसे-04 /विशेष न्यायाधीश(NDPS)  
न्यायालय संख्या 312, दक्षिण पूर्वी जिला  
साकेत न्यायालय, नई दिल्ली

कुम्हारि, दिनांक 22/09/2026

एकीकृत पंजीवन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत टेकदेवरी से निम्नालिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद, कुम्हारी

खबर संक्षेप

बिहार की बेटी आकांक्षा का यूरोप में जलवा

सहरसा। सहरसा की आकांक्षा नेहा ने यूनाइटेड किंगडम में एमबीए की पढ़ाई और पोल्‌ैंड में करीब एक



दशक के कॉरपोरेट करियर के बाद अंतरराष्ट्रीय ब्यूटी पेजेंटों में कदम रखा है। इन्वेस्टमेंट बैंक में वाइस प्रेसीडेंट के पद पर कार्यरत आकांक्षा अब मिसेज यूनिवर्स 2026 के मंच पर मिसेज यूनिवर्स इंडिया और यूरोप 2026 का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी में हैं।

छात्र की कार्डियक अरेस्ट से निधन

जमशेदपुर। एकसएलआरआई जमशेदपुर में बिजनेस मैनेजमेंट सत्र 2025-27 के छात्र ओम पोद्दार का कार्डियक अरेस्ट के कारण



निधन हो गया। अस्थमा से पीड़ित ओम को अचानक सांस लेने में गंभीर तकलीफ हुई थी, जिसके बाद दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। पूरे संस्थान परिसर में शोक व्याप्त है। बांधज हॉस्टल के अपने कमरे में मौजूद ओम को गुरुवार रात अचानक सांस लेने में परेशानी महसूस हुई।

दुष्कर्म की शिकार नाबालिग ने तोड़ा दम रांची।

पालकोट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव में करमा पर्व के दौरान सामूहिक दुष्कर्म और



मारपीट की शिकार हुई नाबालिग आदिवासी किशोरी की शनिवार सुबह रांची स्थित रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका के पिता के बयान के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली और मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। पीड़ित नाबालिग बुधवार को गांव में करमा पर्व के सांस्कृतिक कार्यक्रम और पारंपरिक नाच-गान में शामिल होने के लिए गई हुई थी।

बुजुर्ग श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन कराने की पहल, ठहरने और भोजन की भी व्यवस्था

प्रभु श्री राम के दर्शन के लिए बैरिया से 2500 श्रद्धालु 45 बसों से पहुंचे अयोध्याधाम

एजेसी ►► लखनऊ

जिले के बैरिया विधानसभा क्षेत्र से करीब 2500 श्रद्धालुओं को 45 बसों के जरिए अयोध्या के लिए रवाना किया गया। बीजेपी नेता मंटन वर्मा की पहल पर उन बुजुर्ग महिला और पुरुष श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन कराने की व्यवस्था की गई है, जो अभी तक अयोध्या जाकर दर्शन नहीं कर सके हैं।



श्रद्धालुओं के अयोध्या प्रवास के दौरान ठहरने, भोजन और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का भी इंतजाम किया गया है। यात्रा को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए

प्रत्येक बस में दो लोगों को श्रद्धालुओं की निगरानी और आवश्यक सहयोग की जिम्मेदारी दी गई है।

अयोध्या रवाना होने से पहले श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। श्रद्धालुओं ने इस पहल की सराहना करते हुए मंटन वर्मा को आशीर्वाद दिया। बैरिया विधानसभा क्षेत्र में श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन कराने की यह पहल चर्चा में है।

दीपोत्सव से पहले अयोध्या वासियों को बड़ा तोहफा

एजेसी ►► अयोध्या

अयोध्या में दीपोत्सव से पहले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी सौगत मिलने जा रही है। दीपोत्सव के दौरान जहां लाखों दीपकों से रामनगरी और सरयू के घाट जगमगाएंगे, वहीं सरयू तट के राजघाट क्षेत्र में पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस नया आकर्षण केंद्र तैयार किया जा रहा है। करीब 30 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रही परियोजना में ओपन एयर थिएटर, फूड प्लाजा, कैफे, ग्रीन एरिया और रामायण की थीम पर आधारित आकर्षक म्यूरल शामिल हैं। अयोध्या तीर्थ विकास परिषद की ओर से राजघाट के पास लक्ष्मण किला क्षेत्र में इस परियोजना को विकसित किया जा रहा है।

ओपन एयर थिएटर, फूड प्लाजा, कैफे, ग्रीन एरिया और रामायण की थीम पर आधारित म्यूरल भी अब देख सकेंगे

| 30 करोड़ की लागत से तैयार हो रही परियोजना                                                               |                                                                                                               |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र अयोध्या तीर्थ स्थान                                                    |                                                                                                               |
| अयोध्या तीर्थ विकास परिषद के सीईओ जयेंद्र कुमार ने बताया कि राजघाट के पास बंधे के किनारे खाली पड़ी जमीन | को विकसित कर पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाया जा रहा है। यहां ओपन एयर थिएटर का निर्माण कराया जा रहा है। |

राजघाट के पास लक्ष्मण किला क्षेत्र में हो रहा विस्तार

पीएम नरेंद्र मोदी से सीएम योगी ने की शिष्टाचार भेंट विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और कानून-व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज़ ►► लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच उत्तर प्रदेश के विकास और प्रदेश से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान उत्तर प्रदेश में चल रही विकास परियोजनाओं, बुनियादी ढांचे के विस्तार, जनकल्याणकारी योजनाओं और निवेश से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विकास कार्यों की प्रगति तथा केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी प्रधानमंत्री के साथ साझा की। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के मध्य हुई बैठक में प्रदेश की कानून-व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। सीएम ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा अपराध नियंत्रण की दिशा में उठाए गए कदमों से प्रधानमंत्री को अवगत कराया।

धार्मिक और सांस्कृतिक वातावरण का अनुभव

परियोजना में रामायण की थीम पर कई म्यूरल तैयार किए गए हैं। इनमें रामायण से जुड़े प्रसंगों के साथ चोपाइयों को भी स्थान दिया गया है, इससे श्रद्धालुओं को धार्मिक और सांस्कृतिक वातावरण का अनुभव मिलेगा। वहीं सरयू किनारे शाम के समय घूमने आने वाले लोगों के लिए फूड प्लाजा और कैफे की सुविधा भी विकसित की जा रही है। यहां पर्यटक बैठठर खान-पान का आनंद ले सकेंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी से सीएम योगी ने की शिष्टाचार भेंट विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और कानून-व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान आगामी महानों में उत्तर प्रदेश में होने वाले विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री के उत्तर प्रदेश दौरे बढ़ सकते हैं। इन दौरों के दौरान प्रदेश में पूरी हो चुकी परियोजनाओं का लोकार्पण और नई विकास योजनाओं का शिलान्यास प्रस्तावित है।

पेज एक का शेष

ज्ञानेश कुमार को ...

है। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार विपक्ष दोनों सदनों में मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है और प्रस्ताव का मसौदा कानूनी विशेषज्ञों की मदद से तैयार किया जा रहा है।

सड़क से संसद...

चुनाव आयुक्त के पद पर बने रहने पर सवाल उठाते हुए उनके हटने की मांग की। ऐसे राजनीतिक माहौल में प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है। हालांकि, कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किन विषयों पर बात करेंगे, इसकी आधिकारिक जानकारी प्रसारण से पहले उपलब्ध नहीं है।

चुनाव आयोग पर...

खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज की है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग की ओर से यह रुख सामने आया है कि आयोग में विचार-विमर्श और अलग-अलग मत सामने आना निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा है। इसलिए इस पूरे विवाद पर विपक्ष और चुनाव आयोग के दावों को अलग-अलग संदर्भ में देखा जा रहा है।

'मन की बात' ...

हलकों में इसलिए भी इस कार्यक्रम पर नजर रहेगी कि यह प्रसारण ऐसे समय हो रहा है जब चुनाव आयोग को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक बहस तेज है। विपक्ष जहां मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने और विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा है, वहीं सरकार और भाजपा की ओर से विपक्ष के आरोपों को राजनीतिक मुद्दा बनाने की बात कही जा रही है। इस बीच कांग्रेस कार्यसमिति की 29 सितंबर को प्रस्तावित बैठक और उसके बाद विपक्षी दलों की संभावित बैठक को लेकर भी राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं। ऐसे में रविवार की 'मन की बात' के बाद आने वाले दिनों में चुनाव आयोग, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और मुख्य चुनाव आयुक्त से जुड़े मुद्दे पर राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना बनी हुई है।

जिन लोगों के...

लागाएंगे। बिहार और पश्चिम बंगाल समेत 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। आयोग ने साफ कहा है कि कोई भी व्यक्ति जिसका नाम क्वोटर्ड लिस्ट में छूट गया है, वह संबंधित ईआरओ के पास आवेदन करके अपना नाम शामिल करा सकते हैं। बता दें, इसमें युवा और पहली बार वोट देने वाले लोग शामिल हैं। गोवा में निर्देश दिया है कि वे उन मतदाताओं के घर-घर जाकर उनके फॉर्म एकत्रित करें जिनका नाम अभी तक नहीं जुड़ा है। 97 में से 81 मतदाताओं ने नाम जुड़वाने के लिए पहले ही फॉर्म 6 भर दिया है।

ईसीआईएन की एक...

नियमों के प्रावधानों का पालन करता है और फिर कमीशन को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। पिछले कुछ महीनों में राज्य के सीईओ से मिले इनपुट के आधार पर पोर्टल में कई अपग्रेड किए गए हैं। जरूरत पड़ने पर फील्ड अधिकारियों को और सुविधाएं दी जाएंगी। अब आईटी मांड्यूल और पोर्टल से जुड़ी नई योजनाओं पर आयोग की मंजूरी से पहले अधिकारियों की कमेटी में चर्चा होगी।

दिल्ली और महाराष्ट्र ...

है। साथ ही महाराष्ट्र में भी दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा 12 अक्टूबर, 2026 तक बढ़ा दी है। वहीं, निपटारे की समय सीमा 10 नवंबर तक कर दी गई है।

बहुमत से हुआ ....

हुई। इसके बाद पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भी आदेश जारी किए गए। आयोग ने कहा कि ये सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने भी 27 मई 2026 को अपने आदेश में एसआईआर को सही ठहराया था। 27 अक्टूबर 2025 को 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तथा उसके बाद 14 मई 2026 को 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एसआईआर की प्रक्रिया जारी की गई थी।

आईटी डिविजन की ...

को लागू नहीं किया गया था। आयोग के मुताबिक डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर की आईटी डिविजन पर निगरानी वास्तव में कभी वापस नहीं ली गई। यानी आईटी डिविजन की निगरानी हटाए जाने की बात को अंगीकार करने की सही नहीं माना है।

30 राज्यों की ...

जारी किया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि चुनाव आयोग ने महत्वपूर्ण बातें बताई हैं और एक राजनीतिक पार्टी होने के नाते यह हमारा कर्तव्य है कि इन बातों को जनता और देश के समक्ष रखा जाए कि किस प्रकार अपने स्वार्थ के लिए कांग्रेस पार्टी संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रही है। किस प्रकार वह संवैधानिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा को तार-तार करना चाहती है। आज की बैठक के बाद चुनाव आयोग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में सबसे महत्वपूर्ण विषय यह है कि चुनाव आयोग और मुख्यतः भारतीय जनता पार्टी को लेकर जो आरोप लगाया गया था कि चुनाव आयोग के अंदर तीनों कमिश्नरों के बीच सहमति नहीं थी, वह विषय इतना गंभीर हो गया था कि कैबिनेट सेक्रेटरी तक गया और उन्हें इसमें हस्तक्षेप करना पड़ा। साथ ही, यह आरोप लगाया गया था कि भारतीय जनता पार्टी अपने बचाव के लिए चुनाव आयोग को प्यादे के रूप में इस्तेमाल कर रही है। यह एक बात स्पष्ट रूप से दिखाती है और वह है कांग्रेस पार्टी में परिपक्वता की कमी और देश की संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की एक साजिश। कांग्रेस पार्टी में अपने विषयों को प्रस्तुत करने में परिपक्वता नहीं है। ऐसा नहीं है कि वह अपरिपक्वता में यह सब कर रहे हैं। उनका उद्देश्य किसी भी कोमत पर सत्ता

हासिल करना है और इसके लिए वे किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

नाबालिग से शादी ...

उसकी कानूनी पत्नी है। महिला की शादी के समय उम्र 16 साल 3 महीने और आरोपी की 28 साल थी। गर्भावस्था के दौरान सरकारी अस्पताल में जांच में उसकी उम्र सामने आई। आरोपी पर आईपीसी की धारा 375 और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज है।

भाजपा के राष्ट्रीय ...

नितिन नवीन रविवार सुबह, 27 सितंबर को कोलकाता पहुंचेंगे। वे अपने प्रवास की शुरुआत न्यूटाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में स्थानीय नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के साथ सुबह 11:00 बजे प्रधानमंत्री के राष्ट्र-निर्माण को समर्पित अत्यंत लोकप्रिय एवं गैर-राजनीतिक कार्यक्रम 'मन की बात' को सुनकर करेंगे। इसके उपरांत, राष्ट्रीय अध्यक्ष एक व्यापक एवं उच्चस्तरीय संगठनात्मक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, विभाग संयोजक, प्रदेश मोर्चा अध्यक्ष, सांसद, जिला प्रभारी, जिलाध्यक्ष, आईटी, मीडिया व सोशल मीडिया विभाग के प्रमुख, प्रकोष्ठ संकुल संयोजक एवं मुख्य प्रदेश प्रवक्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में ही भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जन-आकांक्षाओं के अनुरूप विधायी व संसदीय पहलों को दिशा देने के लिए पार्टी सांसदों एवं विधायकों के साथ एक विशेष रणनीतिक सत्र करेंगे। इसके बाद राज्य सरकार के मंत्रियों के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न होगी। शाम को राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदेश कोर ग्रुप की एक निर्णायक बैठक लेंगे, जिसके बाद रात 8:00 बजे वे पश्चिम बंगाल के गणमान्य नागरिकों, प्रबुद्धजनों और सांस्कृतिक हस्तियों के साथ सार्थक विचार-विमर्श करेंगे।

प्रवास के दूसरे दिन, सोमवार, 28 सितंबर को नवीन सुबह 10:30 बजे भाजपा के मूल मंत्र 'सेवा ही संगठन' को चरितार्थ करते हुए पानीहाटी (सोदपुर) स्थित लोक संस्कृति भवन पहुंचेंगे जहां वे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित 'ऑगन मिलन' सेवा कार्यक्रम में भाग लेंगे और स्वयंसेवकों, सेवाकर्मियों व स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद करेंगे। इसके पश्चात वे दोपहर 12:30 बजे स्पेस संकल क्लब में आयोजित 'युवा संवाद कॉन्क्लेव' में राज्य के ऊर्जावान युवाओं को संबोधित करेंगे। यहां वे 'विकसित भारत' के संकल्प के अनुरूप एक सुरक्षित, प्रातिशील और समृद्ध 'सोनार बांग्ला' के निर्माण का दृष्टिकोण साझा करेंगे।

डबल गोल्ड ...

और असलम इनामदार की अहम रेड से भारत ने 21-21 की बराबरी की। इसके बाद सुमित ने डिफेंस में शानदार टैकल किए और अर्जुन देशवाल ने रेंडिंग में अहम अंक जुटाए। 29-24 के बाद भारत ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। छह मिनट से कुछ ज्यादा समय बाकी रहते भारत 34-27 से आगे था। आखिरी मिनटों में भारत की बढ़त 39-30 तक पहुंच गई। ईरान के पास वापसी का मौका

नहीं बचा और भारत ने 40-34 से गोल्ड जीत लिया।

यूएन में आतंकवाद...

ब्रीफिंग से जुड़ा है। जिसमें अचानक एक पाकिस्तानी पत्रकार ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से सवाल पूछा कि आपको सरकार पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देना कब बंद करेगी? सवाल पूरी तरह से बेबुनियाद और गलत था, इसलिए जवाब दो टुक अंदाज में दिया गया और उसमें जयशंकर ने पड़ोसी दुश्मन देश के पत्रकार और वहां की शहबाज शरीफ सरकार को आतंकवाद के मसले पर आईना दिखाते हुए कहा, एक आतंकवादी देश मुझसे यह सवाल पूछ रहा है। अरे यार। मालूम हो कि यह पहला मामला नहीं है। जब यूएन के मंच पर पाकिस्तान के किसी मीडियाकर्मी ने आतंकवाद को लेकर यूं सेलेफ गोल कर दिया है। पहले भी कई मौकों पर न केवल उनके द्वारा बल्कि शीर्ष पाकिस्तानी नेताओं द्वारा भी ऐसा किया जा चुका है।

यू संयुक्त रूप से हुई बैठक: भारत और लाइबेरिया द्वारा मित्र समूह के गठन की उक्त बैठक का संयुक्त रूप से आयोजन करने की असली वजह भारत के दुनिया में सबसे ज्यादा समुद्री कर्मियों या नाविकों की तैनाती है। जबकि लाइबेरिया इसमें दुनिया की बतौर सबसे बड़ी शिपिंग रजिस्ट्री होने के नाते शामिल हुआ। वर्तमान में दुनिया के अलग- अलग समुद्री क्षेत्रों में भारत के कुल करीब 3 लाख से अधिक समुद्री कर्मी, नाविक तैनात हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी सैन्य संघर्षों में अब तक देश के 10 नाविकों की दुखद मौत हो चुकी है। जबकि कई अन्य घायल भी हुए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए विदेश मंत्री ने न्यूयॉर्क से ही कहा है कि समुद्री क्षेत्र में जहाजरानी, नाविकों पर हो रहे हमलों को भारत किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगा।

पाकिस्तान के पत्रकार ...

उन्होंने शुरुआत में ही ये स्पष्ट कर दिया था कि ब्रीफिंग में केवल वरिष्ठ मंत्रियों के बयान होंगे, कोई सवाल-जवाब नहीं है। लेकिन पाकिस्तानी पत्रकार ने इस नियम-कायदे को तोड़ते हुए अचानक ब्रीफिंग में खड़े होकर आतंकवाद को लेकर सवाल पूछने के बहाने भारत पर झूठा और मनार्वदत आरोप लगांना चूका। जिसे विदेश मंत्री जयशंकर ने तुरंत भांपते हुए सिर से खारिज कर दिया व अपने सिर्फ एक वाक्य में पाकिस्तान की दुनिया के सामने पूरी कलाई खोलकर रख दी। जवाब के बाद पी. हरीश ने पाक पत्रकार को कहा, आपको आपका जवाब मिल गया है, आपकी प्रतिक्रिया साफ सुनाई दे गई है।

आतंकवाद पर लगी ...

इस सवाल का वह बिना कोई जवाब दिए ही चले गए थे। इसके तुरंत बाद पाकिस्तानी पत्रकार से जुड़ी ये घटना सामने आई है। जिसे लेकर विदेश मामलों के जानकारों ने कहा, दोनों घटनाओं को देखने से यह साफ हो जाता है कि भारत में दशकों से आतंकवाद का खूनी खोल खेलने वाले पाकिस्तान को जब भारत ने यूएन जैसे वैश्विक मंच पर उसकी हकीकत दिखाई तो उसने भारत को ही घेरने की कोशिश की है। जिसमें वो पूरी तरह से नाकामयाब रहा है।

लखनऊ-लखीमपुर में बहीं सड़क दुर्घटनाएं

ब्लैक स्पॉट सुधारने और पुराने हिट एंड रन मामलों के निस्तारण के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ ►► लखनऊ

आयुक्त लखनऊ मंडल विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में शनिवार को मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की तृतीय बैठक हुई। बैठक में जनवरी से अगस्त 2026 तक मंडल में हुई सड़क दुर्घटनाओं की जनपदवार समीक्षा की गई।

समीक्षा में लखनऊ और लखीमपुर खीरी में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि सामने आई। लखनऊ में दुर्घटनाएं 11.9 प्रतिशत और लखीमपुर खीरी में 9.3 प्रतिशत बढ़ीं। मृतकों की संख्या में भी क्रमशः 10.6 और 12.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आयुक्त ने दोनों जिलों में दुर्घटनाओं और मौतों में वृद्धि के कारणों का विश्लेषण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। बैठक में लोक निर्माण विभाग और एनएचआई के मागों



लखनऊ मंडल में 15 महिला ट्रैकमेंटेन्स का कैडर परिवर्तन कठिन ट्रैक अनुरक्षण कार्य से मिली राहत, विभिन्न विभागों में मिली नई तैनाती

हरिभूमि न्यूज़ ►► लखनऊ

पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल प्रशासन ने मानवीय और कल्याणकारी पहल करते हुए इंजीनियरिंग विभाग में कार्यरत पात्र 15 महिला ट्रैकमेंटेन्स (लेवल-1) का कैडर परिवर्तन किया है। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल की पहल पर महिला कर्मचारियों को उनकी शैक्षिक योग्यता और पात्रता के अनुरूप विभिन्न विभागों में तैनाती दी गई है। कैडर परिवर्तन के बाद इन महिला रेलकर्मियों को सहायक परिचालन, प्लांट्समैन-बी, सहायक सिग्नल एवं दूरसंचार, सहायक कैरिज एवं वैगन (खलासी हेलपर) तथा सहायक टीएल एवं एसी जैसे पदों पर तैनात किया गया है। रेल प्रशासन के अनुसार, इस निर्णय से महिला

कर्मचारियों को धूप, बारिश और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में किए जाने वाले शारीरिक थ्रम वाले दुर्ह अनुक्षण कार्य से राहत मिलेगी। उन्हें अपेक्षाकृत सुरक्षित, अनुकूल और गरिमापूर्ण कार्य वातावरण उपलब्ध होगा। मंडल प्रशासन ने कहा कि महिला रेलकर्मियों की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है। कैडर परिवर्तन के बाद महिला कर्मचारियों ने खुशी का माहौल है। कर्मचारियों ने रेल प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे महिला सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कहा कि वह अपने सभी कर्मचारियों, विशेषकर महिला कर्मचारियों के कल्याण और सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।



विशेष: गांधी जयंती, 2 अक्टूबर

# महात्मा गांधी ने सिखाई संतुलित जीवन की कला

भारत को स्वाधीनता दिलाने में तो गांधीजी की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी ही, साथ ही उन्होंने ऐसी जीवनशैली को अपनाया, जो आज भी हम सभी के लिए आदर्श बनी हुई है। यही वजह है कि मले ही हम नए-नए नामों और परिभाषाओं का प्रयोग कर रहे हों, लेकिन आज भी महात्मा गांधी द्वारा अपनाई गई जीवनशैली और उनके संदेश हमें सुकूनदायक जीवन जीने की दिशा दिखाती है।

नहीं था। वह इसे आत्म-अनुशासन और आत्मनिरीक्षण से भी जोड़कर देखते थे।  
आज हम 'इंटरमिटेंट फास्टिंग' या 'क्लीन ईटिंग' जैसे शब्दों के साथ अपने खान-पान की निगरानी करते हैं। गांधीजी के लिए उपवास का अर्थ इससे कहीं व्यापक था। वह इसे आत्मशुद्धि और आत्मसंयम का माध्यम मानते थे। उनके लिए सवाल सिर्फ यह नहीं था कि शरीर को क्या और कितना चाहिए बल्कि यह भी था कि इच्छाओं पर कितना नियंत्रण रखा जा सकता है।

## कम चीजों में ज्यादा सुख

मिनिमलिज्म की बात करें तो गांधीजी का जीवन उसका सबसे स्पष्ट उदाहरण हमारे सामने प्रस्तुत करता है। उनके पास जरूरत की कुछ ही चीजें थीं। चश्मा, घड़ी, कुछ बर्तन, चरखा और खादी के कपड़े। उनकी यह जीवनशैली किसी अभाव के कारण नहीं थी बल्कि यह उनका एक सचेत चुनाव था। वह लगातार इस बात पर जोर देते रहे कि जीवन को समृद्ध बनाने का एक रास्ता अपनी जरूरतों को बढ़ाना नहीं बल्कि उन्हें सीमित करना भी है। आज 'कम चीजें, कम उलझन' या 'लेस इज मोर' जैसी अवधारणाएं आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी हैं। लोग अपनी अलमारियां छोटी कर रहे हैं, गैरजरूरी सामान हटा रहे हैं



## धीमी जिंदगी का आनंद

'स्लो लिविंग' का एक दिलचस्प रूप गांधीजी के चरखे में भी दिखाई देता है। चरखा तेज गति और अधिक उत्पादन का प्रतीक नहीं था। उसमें धैर्य था, दोहराव था और एकाग्रता थी। गांधीजी नियमित रूप से चरखा चलाते थे। हाथ एक लय में चलते रहते और मन को ठहरने का अवसर मिलता। आज 'स्लो मॉर्निंग', 'माइंडफुलनेस' और 'माइंडफुल कुकिंग' जैसे शब्द प्रचलन में हैं। तेज रफ्तार जिंदगी से कुछ पल निकालकर धीरे चलने और किसी काम को पूरी एकाग्रता से करने की कोशिश हो रही है। चरखे की धर-धर में ऐसी ही एक लय भारतीय समाज में बहुत पहले से मौजूद थी।

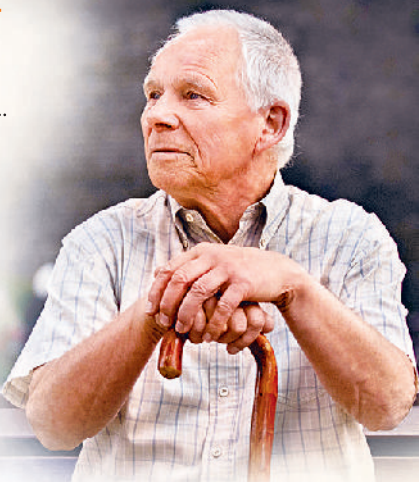
## जीवन जीने का आदर्श तरीका

हालांकि गांधीजी की जीवनशैली को आज के वेल्थनेस ट्रेंड्स के साथ पूरी तरह जोड़ देना सही नहीं होगा। उनके लिए यह सिर्फ बेहतर स्वास्थ्य, मानसिक शांति या व्यक्तिगत उत्पादकता का साधन नहीं थी। उनके लिए इसका रिश्ता अहिंसा, स्वदेशी, आत्मसंयम और सामाजिक जिम्मेदारी से भी था। उनका भोजन उनके नैतिक विचारों से जुड़ा था और उनकी मितव्ययता उनके सामाजिक-राजनीतिक विचारों से। यही वह फर्क है, जिसे समझना जरूरी है। आज मिनिमलिज्म कई बार व्यक्तिगत सुविधा और बेहतर जीवन के फॉर्मूले के रूप में सामने आता है। गांधीजी की सोच का दायरा उससे कहीं बड़ा था। वह व्यक्ति से शुरू होकर समाज और अंततः आत्मा तक जाती थी।

फिर भी आज के इन तमाम चलनों में गांधीजी के जीवन की एक पुरानी छाया जरूर दिखाई देती है। फर्क बस इतना है कि आज हम अपनी आदतों को एप में दर्ज करते हैं, स्क्रीन टाइम नापते हैं, डिटॉक्स चैलेंज लेते हैं और मिनिमलिज्म पर किताबें पढ़ते हैं। गांधीजी ने इनमें से किसी चीज को नाम नहीं दिया। उन्होंने बस उन्हें जिया। शायद यही इस पूरी कहानी का सबसे दिलचस्प पहलू है। गांधीजी ने अपना उदाहरण प्रस्तुत कर ऐसी जीवनशैली अपनाई, जो आज भी हम सबके लिए आदर्श बनी हुई है। यही उनके व्यक्तित्व और जीवनशैली की विरादत है, जो उन्हें महारूप बनाती है। \*

## विशेष: अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस 1 अक्टूबर

बुजुर्गवस्था में लोगों को अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनके समाधान के लिए जीवंतता के साथ कुछ उपायों पर अमल करना कारगर हो सकता है।



# ढलती उम्र की चुनौतियां जीवंतता से होगा समाधान

## जीवनशैली / शिखर चंद जैन

पचपन-साठ वर्ष की आयु पार करना मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील पड़ाव होता है। वृद्धावस्था में कदम बढ़ाते इस चरण में शारीरिक क्षमता में कमी, मानसिक और भावनात्मक उतार-चढ़ाव, आर्थिक अनिश्चितता तथा सामाजिक स्थितियों में बदलाव जैसी कई चुनौतियां एक साथ सामने आती हैं। इस दौरान शरीर और समाज दोनों के स्तर पर हमारी भूमिकाएं भी बदलती हैं। इस उम्र में शारीरिक सक्रियता भी पहले से कम होने लगती है। इन बदलावों के कारण व्यक्ति को एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इन समस्याओं का समाधान संतुलित जीवनशैली और सकारात्मक उपायों से संभव है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और समाजशास्त्र के अनुसार, इस आयु वर्ग को 'सक्रिय वृद्धावस्था' की तैयारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

**शारीरिक समस्याएं-समाधान:** इस उम्र के पुरुषों में एंजोजन और महिलाओं में मेनोपॉज के कारण एस्ट्रोजन का स्तर तेजी से गिरता है। इससे मेटाबोलिज्म धीमा होता है और वजन बढ़ने के साथ मांसपेशियों का घटने और हड्डियों के कमजोर होने जैसी समस्याएं होती हैं। साथ ही क्रोनिक बीमारियां जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ों का दर्द और हृदय संबंधी रोगों का जोखिम भी बढ़ता है।

'अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन' के अनुसार, सप्ताह में 2-3 बार हल्का वजन उठाना या बांडीवेट एक्सरसाइज करने से हड्डियों का घनत्व बढ़ता है और मांसपेशियों का नुकसान रुकता है। भोजन में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन डी-3 की मात्रा बढ़ाएं। कार्बोहाइड्रेट कम करें और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर 'मेडिटरेरनियन डाइट' यानी साबुत अनाज, फल, सब्जियां अपनाएं। प्रतिवर्ष लिपिड प्रोफाइल, एचबीए1सी, बोन डेंसिटी टेस्ट और कैंसर स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से कराएं।

**मानसिक समस्याएं-समाधान:** इस उम्र में याददाश्त का कमजोर होना, ध्यान में केंद्रित करने में कठिनाई और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों जैसे अल्जाइमर या डिमेंशिया का जोखिम होता है। मस्तिष्क की प्लास्टिसिटी में कमी आने लगती है। नई तकनीक या बदलावों को सीखने में मानसिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है।

न्यूरो साइंस कहता है कि दिमाग को नई चुनौतियों में लगाने से नए न्यूरोन्स बनते हैं। इसके लिए कोई नई भाषा सीखें, वाद्य यंत्र बजाएं या जटिल खेलियां सुलझाएं। साथ ही रोज पर्याप्त क्वालिटी स्लीप लें।

'स्लीप फाउंडेशन' के अनुसार, इस उम्र में मस्तिष्क से टॉक्सिंस जैसे अमाइलॉइड बीटा प्रोटीन को साफ करने के लिए 7-8 घंटे की गहरी नींद आवश्यक है। इसके लिए सोने का समय निश्चित करें और स्क्रीन टाइम कम करें। माइंडफुलनेस और मेडिटेशन का अभ्यास भी जरूरी है।

**भावनात्मक समस्याएं-समाधान:** इस उम्र में अधिकांश लोग एंटी नेस्ट सिंड्रोम से जूझते हैं। घर खाली-खाली लगता है, उदासी घेर लेती है। कभी उपेक्षा महसूस होती है, कभी बच्चों की याद सताती है। इस स्थिति में उम्र बढ़ने का डर, मृत्यु की चिंता या अतीत के पछतावे के कारण डिप्रेशन और स्ट्रेस बढ़ने लगता है। ऐसी स्थिति में कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी एक प्रमाणित मनोवैज्ञानिक पद्धति है, जो नकारात्मक विचार चक्रों को तोड़ने में मदद करती है। समस्या ज्यादा हो तो किसी योग्य थेरेपिस्ट की मदद लें। डायरी या जर्नल लिखने की आदत डालें। पॉजिटिव साइकोलॉजी के अनुसार, रोज रात को तीन अच्छी बातें लिखने से डोपामाइन और सेरोटोनिन नामक हैप्पी हार्मोंस का स्तर बढ़ता है। इसके अलावा जापानी अवधारणा 'इकिगाई' अपना सकते हैं।

वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों के पास सुहृदय रिश्ते हैं, वे अधिक स्वस्थ और खुशहाल जीवन का सबसे बड़ा कारक अच्छे रिश्ते हैं, न कि पैसा या प्रसिद्धि। जबकि उम्र के इस दौर में व्यस्तता में कमी, अकसर शारीरिक कठों या अन्य कारणों से सहयोगियों, समकालीन मित्रों या प्रियजनों से न मिल पाने से सामाजिक दायरा सिकुड़ने लगता है। जेनरेशन गैप के कारण वे उपेक्षित महसूस करते हैं। बेहतर होगा कि आप स्थानीय क्लबों, सामाजिक संस्थाओं, एनजीओ या धार्मिक समूहों से जुड़ें। स्वेच्छिक सेवा करने से शरीर और दोस्तों से लगातार जुड़े रह सकें।

**अंत नहीं दूसरी पारी:** आपको समझना होगा कि ओल्डएज जीवन का अंत नहीं, बल्कि 'सेकेंड जर्नी' है। इस चरण में आने वाली समस्याओं से डरने के बजाय अनुशासित, जागरूक दृष्टिकोण अपनाएं। \*

(जनरल फिजीशियन डॉ. एल. सी. राठी, मनोविज्ञानी डॉ. आंचल मुरारका, डाइजिटलियन पिंगी गोयल से बातचीत पर आधारित)



आजकल हर दूसरे, तीसरे इंस्टाग्राम रील में कोई न कोई 'डिजिटल डिटॉक्स चैलेंज' लेकर बैठा दिखाई देता है। कोई सात दिन फोन से दूर रहने का दावा करता है, तो कोई 'स्लो लिविंग' के

नाम पर सुबह की चाय भी कैमरे के सामने धीरे-धीरे पीता नजर आता है। मिनिमलिज्म अब जीवनशैली का एक लोकप्रिय चलन है। इससे संबंधित किताबें मिल जाती हैं, यू-ट्यूब चैनल हैं और बाकायदा कोच भी हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि जिस जीवन-पद्धति को आज अकसर पश्चिमी दुनिया से आए नए चलन की तरह देखा जाता है, उसकी जड़ें हमारे अपने यहां बहुत पहले से मौजूद थीं। दशकों पहले महात्मा गांधी ने अपने जीवन के द्वारा इसकी मिसाल कायम कर दी थी।

## खान-पान में आत्मानुशासन

इतिहास महात्मा गांधी को मुख्यतः एक राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में याद करता है, लेकिन उनका जीवन अपने आप में लगातार चलने वाला एक प्रयोग भी था। यह प्रयोग उनके शरीर, भोजन, पहनावे, काम करने के तरीके और रोजमर्रा की जरूरतों तक फैला हुआ था। गांधीजी का मानना था कि जिसे हम जरूरत समझते हैं, उसका एक बड़ा हिस्सा दरअसल, हमारी आदत, इच्छा या सुविधा होती है। इसलिए उन्होंने अपने जीवन में बार-बार यह परखने की कोशिश की कि कम से कम में भी जीवन को संतुलित और सार्थक कैसे रखा जा सकता है? उनका खान-पान इसी सोच का हिस्सा था। बकरी का दूध, फल, उबली सब्जियां और सादा भोजन उनके प्रयोगों में शामिल रहे। उन्होंने अलग-अलग समय पर नमक, घी और कई दूसरी चीजों को छोड़कर भी देखा। भोजन उनके लिए सिर्फ स्वाद या शरीर की जरूरत भर



और सीमित चीजों में व्यवस्थित जीवन तलाश रहे हैं। गांधीजी ने इस विचार को किसी ट्रेंड या बाजार की भाषा के बिना अपने जीवन में उतारा था।

## दुनियादारी से दूरी से मिले सुकून

डिजिटल डिटॉक्स की बात करें तो गांधीजी का मौन-व्रत भी याद आता है। वह सप्ताह में एक दिन मौन रखते थे। उस दिन बातचीत से दूरी बनाकर वह लिखकर या संकेतों के जरिए अपना काम चलाते थे। यह सिर्फ बोलना बंद कर देना नहीं था। मौन उनके लिए आत्मचिंतन का अवसर था। आज हम लगातार बजती सूचनाओं, संदेशों और स्क्रीन से थोड़ी दूरी बनाने के लिए डिजिटल डिटॉक्स करते हैं। कुछ घंटों के लिए फोन बंद करते हैं और उम्मीद करते हैं कि दिमाग को थोड़ा सुकून मिलेगा। गांधीजी के समय में फोन या सोशल मीडिया नहीं हुआ करता था, लेकिन बाहरी शोर से दूरी और भीतर की आवाज सुनने की जरूरत तब भी उतनी ही थी।



## कविता

हेमधर शर्मा

## मृग-मरीचिका

क्यों अक्सर ऐसा होता है  
जो पास हमारे होता है  
वह उतना ख़ास नहीं लगता  
जितना मरसूस चले  
जाने पर होता है!  
जब नहीं अधिक सुविधाएं थीं  
तो कष्ट-असुविधा भरी  
जिंदगी लगती थी  
पर सुविधा बढ़ जाने पर भी  
क्यों समय सुहाना  
वही पुराना लगता है!  
कट जाए उम्र सुख-सुविधा में  
हम यही कामना करते हैं  
संघर्षहीन जीवन का फिर क्यों  
अंत निरर्थक लगता है!

## सबसे आगे रहने का जुनून

एंगुलेंस सायरन बजाती हुई निकले तो बाइक-वीर इसे रास्ता देने का संकेत नहीं, दौड़ की चुनौती समझता है। वह घायल से पहले अस्पताल पहुंचना चाहता है।



मिलेंगे। मुफ्त में जहर बंट रहा हो तो भी चिंता जहर की नहीं होगी। डर यह रहेगा कि हमारे पहुंचने से पहले समाप्त न हो जाए।  
अपने ओपीडी में भी मैं इस सामाजिक चरित्र का क्लिनिकल परीक्षण करता रहता हूं। दो महीने पुराना फ्रैक्चर, पहले दिखाने के चक्कर में, अभी-अभी टूटा बताया जाता है। कोई नेताजी का फोन लगवाता है, कोई डॉक्टर का भाई, भतीजा या रिश्तेदार बन जाता है। बीमारी प्रतीक्षा कर सकती है, नंबर नहीं।

एक दिन वेंटिंग रूम में एक मरीज बैठा था। रिसेप्शनिस्ट ने कहा, 'आप अकेले हैं, दिखा लीजिए।' वह बोला, 'थोड़ी देर और बैठता हूं। जब तक दूसरा मरीज आएगा नहीं, प्रमाणित कैसे होगा कि डॉक्टर को सबसे पहले मैंने दिखाया? विजय के लिए प्रतिद्वंद्वी भी तो चाहिए।'

रेलवे प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकने से पहले हमारा उतरना और चढ़ना शुरू हो जाता है।

भीतर वाला बाहर आने को बेचैन, बाहर वाला भीतर जाने को आतुर, दरवाजे पर दोनों पहले मैं-पहले मैं की 'तू-तू मैं-मैं' में भिड़ते हैं। कभी जेब कटती है, कभी कुर्ता फटता है, कभी सामान छूटता है और कभी बच्चों।

हवाई यात्रा में भी हम बोर्डिंग से घंटा भर पहले पंक्ति बना लेते हैं, मानो विमान हमारे बिना चोरी से उड़ जाएगा। उतरते समय सीट-बेल्ट का संकेत बंद होते ही पूरा केबिन खड़ा हो जाता है।

फिर गर्दन झुकाकर दस मिनट खड़े रहना मंजूर है, क्योंकि बैठे रह गए तो एयरहोस्टेस की 'बाय-बाय' किसी और को पहले मिल जाएगी। टिकट का पूरा मूल्य इसी विवाद में वसूलना है। बैंक, राशन, वांशरूम, आरक्षण-खिड़की और मंदिर, हर जगह हमारी आत्मा कतार से आगे विचरण करती है। मंदिर में भगवान सर्वव्यापी हो सकते हैं, लेकिन दर्शन तभी सफल है, जब बैरिकेड लांचकर दूसरों से पहले किए जाएं।

यहां तक कि शवयात्रा में भी कुछ लोग अर्थी से आगे निकलने को बेचैन दिखते हैं। मृतक बोल पाता तो शायद उठकर कहता, 'भाई, तुझे इतनी जल्दी है तो तू ही यहां लेंट जा, मैं अगली बारी देख लूंगा।' संभव है सज्जन अग्रिम बुकिंग, लकड़ियों पर छूट या मोक्ष में शुरुआती नंबर की संभावना तलाश रहे हों। दरअसल, दूसरे नंबर पर आते ही हमें हारने का अहसास होने लगता है। \*

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-

स्टेनोसिस, स्पाण्डिलोलाइटिस, आर्द्रि-कासर है।  
जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?  
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है ?  
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।  
सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं ?  
सर्जरी के बाद पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैड एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे कॉम्प्लिकेशन इसमें नहीं है।  
किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है ?  
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीकुलोपैथी, डिजनेरेटिव डिस्क, फैसिट जाइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?  
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।  
कितने समय में रोगी घर जा सकता है ?  
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।  
इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है ?  
90 से 95% सफल है।  
इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है ?  
इसमें जड़ से इलाज होता है।  
क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है ?  
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया स्पाइन सर्जन

ऑल्ड डी टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)  
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक  
सम्पर्क — 7354858466

MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)  
पूर्व सर्जन - सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेंटर, नई दिल्ली

क्वाट्रसपर पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें



मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की गंठ चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएसएस अधिकारी तुकाराम मुंडे की कार्रवाई है। मुंडे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। ऐसे में कहा जा सकता है कि आज देश में मुंडे जैसे अफसरों की खास जरूरत है। आज देश को नारे नहीं, शुद्ध पानी, साफ भोजन और भरोसेमंद दवा चाहिए। इसके लिए कानून पहले से हैं। कमी अमल की है। अगर प्रशासन में और अफसर स्वास्थ्य व स्वच्छता को फाइल नहीं, प्राथमिक कर्तव्य समझे, तो हीरो की जरूरत धीरे-धीरे कम होगी और सामान्य इमानदारी आम बात बन जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है, जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके। *मिलावटखोरी और इस पर रोक के मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

# मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था में भ्रष्टाचार



विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ स्तंभकार

मुंडे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार हैं कि वे मिलावटखोरी रोकें।

विंडबा ही कहेंगे कि जिस मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की गंठ चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएसएस अधिकारी तुकाराम मुंडे की कार्रवाई है। मुंडे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। उन्होंने खाद्य कानूनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र एफडीए की टीमों ने शुरूआती 100 दिनों में ही 904 से ज्यादा छोपे मारकर 450 से अधिक मिलावटखोरों को गिरफ्तार किया और करोड़ों के मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र में डिस्टर्जेंट और रसायनों से बने नकली दूध और ताड़ के तेल से बने बने वाले 'एनालॉग पनीर' का रैकेट ध्वस्त हो गया है।

नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार हैं कि वे मिलावटखोरी रोकें।

## प्रभावी नियंत्रण नहीं

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक न लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, मुनाफाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति, दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है। विनोबा भावे ने करीब आठ दशक पहले लिखे अपने निबंध 'नवयुवकों से दो बातें' में कहा है कि देश में सुराख ही सुराख हैं। उन्होंने राष्ट्ररूपी घड़े में बने इन सुराखों को रवाचार से भरने की अपील की है। कुछ उसी तरह व्यवस्था में अब भी सुराख हैं। हमारे तंत्र के बड़े हिस्से में वह घुप रह जाता है। भले ही नकली दूध पीने से नागरिक बीमार हो रहा हो या नकली शराब से निर्दोष जान जा रही हो। नैतिकता का क्षरण भी मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार है। नैतिकता की कमी मुनाफाखोर कारोबारी और उत्पादक के साथ तंत्र में भी पैठी हुई है।



## कठोर कानून और नियमन की जरूरत

कानून के तहत ऐसे खाद्य पदार्थों, दवा या सौंदर्य प्रसाधन को 'मिलावटी' माना जाता है, जो तथ्य मानकों को पूरा नहीं करते या जिसमें हानिकारक पदार्थ मिलाया गया हो। इस कानून के तहत गलत और भ्रामक लेबलिंग पर भी रोक का प्रावधान है। अमेरिका में एक और फूड सेफ्टी मॉडर्नाइजेशन एक्ट है, जिसका मकसद मिलावट और संकमण को निरोधात्मक कार्रवाई करना है। इन कानूनों के तहत अमेरिका में मिलावटी या दूषित खाद्य पदार्थ और दवाएं बेचना गंभीर अपराध है। इनका उल्लंघन करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों पर भारी जुर्माने, जेल की सजा और

उत्पादों को तुरंत नष्ट करने या जब्त करने की व्यवस्था है। अमेरिका की तरह ब्रिटेन में भी खाद्य पदार्थों में मिलावट और धोखाधड़ी रोकने के लिए सख्त कानूनी व्यवस्था है। यहां के फूड सेफ्टी एक्ट के तहत स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भोजन बेचना या तैयार करना गंभीर अपराध है। खाद्य मानकों और मिलावट पर नजर रखने के लिए यहां फूड स्टैंडर्ड एजेंसी है। कुछ इसी अंदाज में हमारे यहां भी कठोर कानून और नियमन की जरूरत है। तभी मिलावटखोरी को रोक जा सकता है और भारतीय नागरिकों की सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जा सकता है।

## जीरो टॉलरेंस की नीति बने

सत्ता संभालते वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तंत्र को चेताया था कि सब चलता है-वाली मानसिकता की अब गुंजाइश नहीं रही। शुरू में इससे वरत लोनों में भय दिखा, लेकिन अब तंत्र का बड़ा हिस्सा उसी पुराने ढर्रे पर चलता दिखाता है, इसलिए मुनाफाखोरों और मिलावटखोरों का डर कम हो चला है। स्वास्थ्य संविधान के समता की सूची का विषय है, इसलिए इस मामले में केंद्र के साथ राज्य सरकारों को भी कार्रवाई का अधिकार है। ऐसे में तंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को जीरो टॉलरेंस की नीति अख्तियार करना जरूरी लगता है। तभी मुनाफाखोर, मिलावटखोर और लापरवाह प्रशासनिक तंत्र के पैच फुसे जा सकते हैं। पड़ोसी देश चीन का मिलावटखोरी रोकने वाला 'फूड सेफ्टी लॉ' दुनिया के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। जिसके तहत जानबूझकर खाद्य पदार्थों में खतरनाक मिलावट करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। चीन में साल 2008 में दूध में मेलामाइन रसायन मिलाने के चर्चित मामले के दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों को इस कानून के तहत आजीवन कारावास के साथ ही भारी आर्थिक जुर्माने का भी प्रावधान है।

## कई देशों में कड़े कानून

चीन में खाद्य नियमों का उल्लंघन करने, घटिया या मानकरहित उत्पाद बेचने और सबूत न होने वाले कंपनियों और कारोबारियों पर वहां भारी-भरकम जुर्माना लगाया जाता है। साथ ही व्यवसाय का लाइसेंस रद्द भी किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खाद्य सुरक्षा और मिलावटखोरी पर रोक के लिए कड़े कानून हैं। फूड स्टैंडर्ड्स ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड की जवाबदेही है कि वह दोनों देशों के खाद्य मानक तैयार करें। खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी रोकने के लिए राज्यों के साथ ही स्थानीय निकायों की भी जवाबदेही है। दोनों देशों में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने, असुरक्षित या मिलावटी भोजन बेचने वाली कंपनियों और निगमों पर भारी जुर्माने का प्रावधान है। यहां जानबूझकर सार्वजनिक नुकसान या डर फैलाने के इरादे से खाद्य पदार्थों में मिलावट को गंभीर अपराध माना जाता है। ऐसे मामलों में 25 साल तक की जेल हो सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून है, जिसे लागू करने की जवाबदेही फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन की है। अमेरिका में मिलावटखोरी पर लगाम के लिए संघीय फूड, ड्रग्स और कॉस्मेटिक एक्ट है, जो यहां का मुख्य और सबसे बड़ा कानून है।

# नकल की नहीं, संस्कृति की जरूरत



मंथन

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

महाराष्ट्र में जब कोई अफसर नियम तोड़ने वालों पर सख्ती करता है, तो लोग उसे अक्सर 'हीरो' कहने लगते हैं। तुकाराम हरिभाऊ मुंडे ऐसे ही अफसर हैं। बीड जिले के ताडसोना गांव के किसान परिवार में जन्मे मुंडे ने बिना कोचिंग के 2004 की सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक 20 हासिल की और 2005 बैच के महाराष्ट्र केंद्र के आईएसएस बने। करीब इक्कीस साल की सेवा में उनके पच्चीस के आसपास तबादले हुए। फिर भी वे बार-बार चर्चा में इसलिए आते हैं क्योंकि उन्होंने पानी, शहर प्रशासन, स्वास्थ्य और अब खाद्य सुरक्षा जैसे विषयों को कागजी फाइल से निकालकर मैदान में उतारा। सवाल यही है कि क्या देश को ऐसे प्रोएक्टिव अफसरों की और जरूरत है, जो स्वास्थ्य की शुद्धता और स्वच्छता को प्राथमिकता दें? मुंडे की पहचान सिर्फ तबादलों से नहीं बनती। सूखाग्रस्त मराठवाड़ा में पले-बढ़े होने के कारण पानी उनके काम का केंद्र रहा। सोलापुर में जिलाधिकारी रहते हुए उन्होंने जलयुक्त शिवार योजना के तहत तेजी से जल संरक्षण कराया, टैंकर माफिया पर लगाम लगाई और सैकड़ों गांवों को टैंकर-मुक्त बनाने की कोशिश की। इसी काम के लिए उन्हें 'महाराष्ट्र का वाटरमैन' कहा गया। इस साल मई में फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन के आयुक्त बनने के बाद मुंडे की छवि और तेज हुई। विभाग ने राज्यभर में हजारों निरीक्षण किए। मिलावटी दूध, नकली या एनालॉग पनीर, गंदे रसोईघर, बिना लाइसेंस के कारोबार और असुरक्षित तेल-दवाओं पर छोपे पड़े। कई होटलों के लाइसेंस निलंबित हुए, स्टॉक जब्त हुआ और सुधार नोटिस जारी किए गए। मुंडे का रुख साफ रहा कि जनस्वास्थ्य के मामले में हैसियत, नाम या पहुंच से समझौता नहीं होगा। बीबीसी और अन्य समाचार माध्यमों ने उन्हें सोशल मीडिया स्टार भी कहा, क्योंकि रसोईघरों की तस्वीरें और कार्रवाई की खबरें तेजी से फैलीं। साथ ही बंबई हाईकोर्ट ने एक मौके पर चेतावनी

दी कि मच्छर मारने के लिए तलवार न चलाई जाए। यानी सख्ती जरूरी है, पर अनुपात और प्रक्रिया भी। यहीं से मूल प्रश्न उठता है। भारत में खाद्य मिलावट, नकली दवा, गंदे जल और कमजोर अस्पताल निरीक्षण नई समस्याएं नहीं हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एफएसएसएआई) और राज्य के अन्न एवं औषधि प्रशासन के नियम हैं, स्वच्छ भारत और जल जीवन मिशन चलते हैं, फिर भी जमीनी अमल अक्सर दीला रहता है। जब तक अफसर

काम को सजा नहीं, सुरक्षा मिले। स्वास्थ्य की शुद्धता केवल रेस्तरां छोपे नहीं है। यह दूध में यूरिया, मसालों में रंग, दवा में कम मात्रा और सरकारी अस्पताल की गंदगी भी है। स्वच्छता केवल सड़क की सफाई नहीं, रसोई, गोदाम, प्रयोगशाला और दवा फैक्ट्री की सफाई है। क्या पूरे देश को ऐसे अफसर चाहिए? हां, लेकिन नकल की नहीं, संस्कृति की जरूरत है। हर राज्य में अन्न एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग में कुछ अधिकारी होने चाहिए जिन्हें पता हो कि उनकी सफलता फाइलों की



देश को आज तुकाराम हरिभाऊ मुंडे जैसे अफसरों की जरूरत है। हर राज्य में अन्न एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग में कुछ अधिकारी होने चाहिए, जिन्हें पता हो कि उनकी सफलता फाइलों की मोटाई से नहीं, मिलावट और गंदगी में आई कमी से नापी जाएगी।

खुद मैदान में नहीं उतरता, शिकायत पोर्टल और वार्षिक रिपोर्ट से डर नहीं बनता। मुंडे जैसे अधिकारी इसी अंतर को भरते हैं। वे इंटरजार नहीं करते कि मामला अदालत या मीडिया तक पहुंचे। आम नागरिक को यह दिखता है कि सरकार सिर्फ बयान नहीं दे रही, काम भी कर रही है। इसीलिए वे 'सिंचम आईएसएस' कहे जाते हैं।

अगर हर इमानदार अफसर को छह-आठ महीने बाद हाट दिया जाए, तो संदेश यह जाता है कि नियम लागू करना जोखिम है, अनदेखी करना सुरक्षित। देश को ऐसे अफसर चाहिए, पर उससे ज्यादा ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें प्रोएक्टिव

# थाली में पहुंचता जहर, बिगाड़ रहा सेहत!



सावधानी

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

हमारी थाली केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की पहली सीढ़ी है। दूध, दही, घी, तेल, मसाले, अनाज, फल-सब्जियां और मिठाइयां शरीर को पोषण देने के लिए हैं। लेकिन जब इन्हीं खाद्य पदार्थों में मिलावट, रासायनिक मिश्रण या हानिकारक तत्व पहुंच जाते हैं तो भोजन पोषण के बजाय स्वास्थ्य का शोषण करने लगता है। समस्या इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दूषित भोजन का असर कई बार तत्काल दिखाई देता है, जबकि कुछ रासायनिक पदार्थों का नुकसान हमें धीरे-धीरे पता चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। वर्ष 2021 के आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि दुनिया में हर साल करीब 86.6 करोड़ लोग दूषित भोजन खाने के बाद बीमार पड़ते हैं और 15.2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। पांच साल से कम उम्र के बच्चे दुनिया की आबादी का लगभग 9 प्रतिशत हैं, लेकिन असुरक्षित भोजन से होने वाली बीमारियों के स्वास्थ्य बोझ में उनका हिस्सा करीब 29 प्रतिशत है। वर्ष 2021 में ऐसे कारणों से करीब 1.43 लाख बच्चों की मौत का अनुमान है।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक असुरक्षित भोजन 200 से अधिक बीमारियों का कारण बन सकता है। इसमें दस्त, उल्टी और फूड प्वाइजनिंग से लेकर कुछ गंभीर संक्रमण और कैंसर तक शामिल हैं। दूषित भोजन में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी और रासायनिक पदार्थ इसके प्रमुख कारण हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा को केवल मिलावट की समस्या मानना पर्याप्त नहीं है। भोजन के उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के हर चरण में इसकी सुरक्षा जरूरी है। डब्ल्यूएचओ के नए आकलन का एक और चिंताजनक पहलू रासायनिक प्रदूषण के खतरों से जुड़ा है। 2021 में दूषित भोजन से हुई



खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।

स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं। भारत में इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई लगातार खाद्य पदार्थों की जांच करता है। वित्त वर्ष 2023-24 में देशभर में 4,39,108 प्रवर्तन नमूने लिए गए। हाल ही में एफएसएसएआई ने दूध से प्राप्त सामग्री के बजाय अन्य घटकों के बनाए गए पनीर पर बिक्री संबंधी प्रतिबंध का संसद में ड्राफ्ट संशोधन जारी किया है। मकसद, ऐसे उत्पादों को पनीर के नाम से बेचे जाने पर रोक लगाना है। फिलहाल यह ड्राफ्ट है, इसलिए इसे अंतिम नियम मानना जल्दबाजी होगी। पहले

वैज्ञानिक जांच व्यवस्था मजबूत करनी होगी। जांच प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी होगी, नमूनों की रिपोर्टिंग में तेजी लानी होगी और दोषी कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई जरूरी है। खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।

# स्ट्रीट फूड के लिए नए सिरे से नियमन की जरूरत



व्यवस्था

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

देशभर में स्ट्रीट फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों तक सड़क किनारे लगने वाले ठेले, रेहड़ी और छोटी दुकानों पर मिलने वाला भोजन आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। कम कीमत, आसानी से उपलब्धता और स्थानीय स्वाद इसकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। इसके साथ भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्ट्रीट फूड बेचने वाले लाखों छोटे कारोबारी अपनी आजीविका इसी व्यवसाय से चलाते हैं। इसलिए नियमन का उद्देश्य उन्हें परेशान करना या उनकी रोजी-रोटी छीनना नहीं होना चाहिए। जरूरत ऐसे व्यावहारिक नियमों की है, जिनसे कारोबार भी चलता रहे और लोगों को सुरक्षित एवं स्वच्छ भोजन भी मिल सके। सरकारों को स्ट्रीट फूड के लिए एक व्यापक और आधुनिक नियामक व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। इसमें साफ पानी की उपलब्धता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, खाना बनाने और परोसने की स्वच्छता, कचरा निस्तारण, हाथ धोने की व्यवस्था तथा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों की सफाई जैसे मानकों को अनिवार्य किया जा सकता है। साथ ही खाद्य विक्रेताओं के लिए आसान पंजीकरण और नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था भी होनी चाहिए। किसी भी सरकारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण खाद्य सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए। स्ट्रीट फूड में इस्तेमाल होने वाले तेल, मसाले, दूध, पनीर, मांस, पानी और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच बेहद जरूरी है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए

कि खाद्य सामग्री किस स्रोत से खरीदी जा रही है, उसे किस तरह रखा जा रहा है और खाना तैयार करने वाले व्यक्ति स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं। कई बार खराब या दूषित खाद्य पदार्थ खाने से लोगों के बीमार पड़ने की खबरें सामने आती हैं। गंभीर मामलों में खाद्य विषाक्तता जानलेवा भी हो सकती है। ऐसे मामलों में केवल दुकान संचालक को दोषी ठहराने के बजाय यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि संबंधित इलाके में निगरानी और निरीक्षण की जिम्मेदारी किस विभाग की थी और क्या नियमित जांच वास्तव में की गई थी। स्ट्रीट फूड कारोबार को बंद करना इसका समाधान नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसके लिए स्पष्ट और व्यावहारिक नियमावली बनाई जाए। प्रत्येक दुकान या ठेले का पंजीकरण हो, खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जाए, स्वच्छता के मानक तय हों और समय-समय पर खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाए। इसके साथ ही स्थानीय निकाय, खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की जानी चाहिए। पुलिस का काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, जबकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच के लिए सक्षम खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की व्यवस्था होनी चाहिए। जहां अवैध वस्तुओं या भ्रष्टाचार की शिकायत हो, वहां स्वतंत्र जांच और कार्रवाई की व्यवस्था भी होनी चाहिए। स्ट्रीट फूड लाइखों लोगों की रोजमर्रा की जरूरत और रोजगार का माध्यम है, इसलिए इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। सवाल केवल यह नहीं है कि सड़क किनारे खाना कौन बेच रहा है। असली सवाल यह है कि जो खाना लाखों लोग खा रहे हैं, उसकी गुणवत्ता की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि अलग-अलग शहरों में स्ट्रीट फूड कारोबार के लिए नियम, निगरानी और उनके पालन की व्यवस्था एक जैसी नहीं है। स्थानीय निकायों, खाद्य सुरक्षा विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है। छोटे विक्रेताओं को केवल बंदित करने के बजाय पहले उन्हें प्रशिक्षण, बुनियादी सुविधाएं और स्पष्ट दिशानिर्देश उपलब्ध कराए जाने चाहिए। स्ट्रीट फूड को शहरों की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का हिस्सा मानने हुए इसके लिए निर्धारित वैज्ञानिक जांच विकसित किए जा सकते हैं। इन स्थानों पर स्वच्छ पानी, कुंआरें, जल निोजन और साफ-सफाई जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इससे विक्रेताओं और ग्राहकों दोनों को लाभ होगा तथा साइडों पर अव्यवस्था भी कम हो सकती है। सरकारों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि खाद्य सुरक्षा के नाम पर बनाए गए नियम इतने जटिल न हों कि छोटे दुकानदार उनके पालन में ही असमर्थ हो जाएं। डिजिटल पंजीकरण, सरल लाइसेंस प्रक्रिया और कम लागत वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम इस दिशा में मददगार हो सकते हैं। स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। इसके बजाय इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और स्वच्छ बनाना ज्यादा व्यावहारिक रास्ता है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है, इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है। आखिरकार सवाल सिर्फ सड़क किनारे बिकने वाले भोजन का नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य और लाखों छोटे कारोबारियों की आजीविका का है। इसलिए स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके।

स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है, इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर के बावजूद राहुल गांधी झूठा नैरेटिव फैलाकर जनता को गुमराह

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर विपक्ष के आरोपों को लेकर कहा कि एसआईआर प्रक्रिया पूरी तरह संवैधानिक और सुप्रीम कोर्ट द्वारा मान्य है। प्रसाद ने बताया कि 24 जून 2025 से शुरू हुई यह प्रक्रिया चुनाव आयोग के तीनों आयुक्तों की सहमति से संचालित हुई और कांग्रेस और राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद बताया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि किसी मतदाता का अधिकार नहीं छीना जाएगा। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि जनता का विश्वास जीतने के लिए मेहनत करें, न कि संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाएं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि विपक्षी पार्टियां, विशेष रूप

कांग्रेस जब चुनाव जीतती है तो चुनाव आयोग, ईवीएम सब सही होते हैं, लेकिन हारते ही राहुल गांधी और विपक्ष संस्थाओं पर सवाल उठाने लगते हैं: भाजपा



भाजपा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने विपक्ष के आरोपों को बेबुनियाद बताया

से कांग्रेस और राहुल गांधी, जिस तरह के बेबुनियाद और शर्मनाक आरोप चुनाव आयोग पर लगा रहे हैं, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और हम इसकी भर्त्सना करते हैं। राहुल गांधी ने तो यहां तक कहा कि इनको गिरफ्तार होना चाहिए और एफआईआर होनी चाहिए। आज चुनाव आयोग ने बाकायदा अपना एक प्रेस नोट जारी किया है। आज हुई बैठक में तीनों आयुक्त, चीफ इलेक्शन कमिशनर और दोनों मंबर उपस्थित थे। प्रेस नोट में कहा गया है कि एसआईआर को लेकर जितने भी फैसले हुए, वे सभी चुनाव आयोग के चीफ इलेक्शन कमिशनर और दोनों इलेक्शन कमिशनरों की सहमति से हुए। दूसरी बात इसमें यह कही गई है कि 24 जून 2025 को सभी प्रदेशों और यूनिनन टैरिटरीज में इसकी शुरुआत हुई। पहले बिहार और पश्चिम बंगाल से हुआ और 30 अन्य प्रदेशों में भी

यह कार्रवाई हुई है। चुनाव आयोग ने आज के बयान के पैराग्राफ 3 में इस बात का विशेष उल्लेख किया है कि 27 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर की इस पूरी प्रक्रिया को उचित माना है। चुनाव आयोग की बैठक के बाद जारी प्रेस नोट में साफ तौर पर कहा गया है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में एसआईआर से जुड़ी सभी गतिविधियों को भारत के सुप्रीम कोर्ट ने सही और कानूनी रूप से मान्य पाया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में पूरी एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने के लिए कांग्रेस पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी और सीपीएम गई थी, जबकि टीएमसी ने तो दर्जनों केस किए थे। सभी को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर को सही माना। टीएमसी के लोगों के इस आग्रह पर कि चुनाव निष्पक्ष नहीं है, सुप्रीम कोर्ट ने वहां चुनाव

कराने के लिए न्यायिक अधिकारियों को लगाया था। उनके ऊपर भी हमला हुआ और कई महिला न्यायिक अधिकारियों को अपनी जान बचानी पड़ी थी। सुप्रीम कोर्ट को उनकी सुरक्षा के लिए रात 1 बजे कड़ा निर्णय लेना पड़ा था। ममता बनर्जी बंगाल से साफ हो गईं, कांग्रेस पार्टी जीरो शून्य पर आई। इसी एसआईआर को केरल की कांग्रेस ने सही माना कि इसके कारण हमें जीत मिली है, क्योंकि वामपंथियों ने जो अवैध रूप से नाम जुड़वाए थे, वे निकले, फर्जी मतदाता हटें और हम जीते। राहुल गांधी बताएं कि आपने यह झूठ क्यों बोला? चुनाव आयोग ने आज दूध का दूध और पानी का पानी स्पष्ट कर दिया है। चीफ इलेक्शन कमिशनर और दोनों इलेक्शन कमिशनर बैठे हुए थे और यह निर्णय हुआ है।

खबर संक्षेप

कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद को धमकी

संभल। कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शनिवार को दावा किया कि खालिस्तानी संगठन बब्बर खालसा के सरगना कुलवीर सिंह सिद्धू ने उन्हें आडियो संदेश भेजकर जान से मारने की धमकी दी है। उन्हें कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय नंबर से फोन आ रहा था। उन्हें पंजाबी भाषा में एक आडियो संदेश मिला।

राम दान की लूट: अविनाश ने की 85 बार चोरी

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी में एक और खुलासा हुआ है। चार्जशीट में आरोपी अविनाश शुक्ला फुटेंटज में 85 बार रकम चोरी करते दिखाई दिया है। चार्जशीट में 25 से 30 जुलाई के फुटेंटज में भी चोरी का उल्लेख किया गया है। अनुकल्प मिश्रा के मोबाइल से अविनाश और लवकुश के साथ रकम पर टेक्स्ट संदेश मिले।

भारत 10% की आर्थिक वृद्धि दर हासिल करेगा

बेगलुर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को भरोसा जताया कि भारत 10 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। उन्होंने सभी क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी और नवाचार को बड़े पैमाने पर अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। आईआईटी मद्रास पूर्व छात्र संघ की परिचर्चा में उन्होंने यह बात कही।

गुवाहाटी के होमस्टे में मिली छात्रा की लाश

गुवाहाटी। यूनिवर्सिटी की छात्रा निमिषा ठाकुरिया शनिवार सुबह गुवाहाटी के अजारा इलाके में एक होमस्टे में बेहोश पाई गई थी, बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने धारापुर के पास हावरे-17 को जाम कर दिया और मौत की परिस्थितियों की गहन जांच की मांग की।

मौसम ने बदली करवट, बर्फ की चादर में लिपटे पहाड़

हेमकुंड साहिब और यमुनोत्री में बर्फबारी, धाम में सर्दी

एजेंसी ►► यमुनोत्री

उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम ने करवट ली। बारिश के बीच पहाड़ों पर हुई बर्फबारी से यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब का नजारा बदल गया है। सफेद बर्फ से ढके पहाड़ और बारिश के बीच धामों में बड़ी ठंड की तस्वीरें सामने आई हैं। यमुनोत्री धाम सहित यमुना घाटी में शनिवार सुबह से झमाझम बारिश होती रही। यमुनोत्री धाम के आसपास के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हुई है। टॉप, सप्त ऋषि कुंड, बंदरपूंछ और गरुड़ गंगा क्षेत्र में हिमपात की सूचना है। बारिश और बर्फबारी से यमुनोत्री धाम में सर्दी बढ़ गई है।

बदला नजारा



आधा फीट से अधिक बर्फ जमी

हेमकुंड साहिब क्षेत्र में भी बर्फबारी हुई है। यहां आधा फीट से अधिक बर्फ जम गई है। पुलिस और एसडीआरएफ के जवान पहुंचे हैं। श्रद्धालुओं को सुरक्षा दी जा रही है।

बारिश से उत्तर प्रदेश बेहाल

सड़कें जलमग्न, रेलवे ट्रैक डूबा और स्कूल-कॉलेज बंद

बरेली में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। पिछले 24 घंटे में 126.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। देहात तक पानी ही पानी है। रेल ट्रैक पर भी पानी में डूब गया है। रेलवे कर्मचारी पानी निकालने में जुटे हैं। मौसम विभाग ने रविवार को भी बारिश जारी रहने की संभावना जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है।

नए मौसम तंत्र से बड़ी बारिश: मौसम वैज्ञानिक

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बने नए मौसम तंत्र के पश्चिमी विक्षोभ के साथ मिल जाने से उत्तर प्रदेश में बारिश के तेवर और तीखे हुए हैं। बारिश के कारण अधिकतर क्षेत्रों में तापमान में गिरावट आई है। हिमाचल में भी कई शहरों में बादलों का साया है।

हूणन ट्रायल को दी मंजूरी

नाक से दवा देकर हो सकता टीबी का इलाज नई दिल्ली। टीबी के इलाज में नया विकल्प तैयार किया जा रहा है। सीएसआईआर-सीडीआरआई ने रिफाब्यूटिन और आइसोनियाजिड को मिलाकर ऐसी दवा विकसित की है, जिसे सांस के रास्ते फेफड़ों तक पहुंचाया जाएगा। यह टीबी के इलाज में एक नया तरीका हो सकता है। इस दवा के ह्यूमन ट्रायल की तैयारी शुरू हो गई है। जानवरों पर इसका परीक्षण हो चुका है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की विशेषज्ञ समिति ने जानवरों पर दवा की सुरक्षा से जुड़े और आंकड़े मांगे हैं। पहले चरण में स्वस्थ लोगों पर दवा को आजमाया जाए।

पोल खुलने पर ईसी लीपापोती के लिए युवा पंजीकरण शिविर आयोजित कर रहा: रागिनी

मोदी सरकार जेन-जी से डरी हुई, इसीलिए ज्ञानेश कुमार ने नए वोटरों का पंजीकरण रोका



हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

कांग्रेस कार्यलय में पत्रकार वार्ता कर पार्टी की प्रवक्ता ने अब ये आरोप लगाए

कांग्रेस ने चुनाव आयोग द्वारा बीते दो वर्षों से नए युवा मतदाताओं का पंजीकरण रोके रखने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि मोदी सरकार जेन-जी से डरी हुई है, इसीलिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसएसआर (स्पेशल समरी रिवीजन) जैसी वैधानिक प्रक्रियाओं को ठप करने का काम किया। पार्टी ने कहा है कि इस मामले में सच्चाई सामने आने के बाद अब चुनाव आयोग अपनी इज्जत बचाने के लिए आनन-फानन में युवा पंजीकरण शिविर लगाने के नाम पर लीपापोती कर रहा है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी प्रवक्ता डॉ. रागिनी नायक बसोया ने फॉर्म-6 में अनधिकृत बदलाव के जरिए पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं के पंजीकरण में बाधाएं खड़ी करने पर भी चुनाव आयोग को घेरा। उन्होंने बताया कि हर साल एसएसआर के जरिए 18 साल की आयु पूरी करने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाते हैं। लेकिन 2024 से इस प्रक्रिया को रोके रखा गया, ताकि युवा मतदाता बनने से वंचित रह जाएं। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार मोदी सरकार के इशारे पर न केवल 'वोट चोरी' करा रहे हैं, बल्कि 'जेन-जी' के मताधिकार के साथ बड़ी हेपफेरी भी कर रहे हैं। डॉ. बसोया ने याद दिलाया कि दिसंबर 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 326 में संशोधन कर मतदाता की न्यूनतम आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष कर दी थी। उन्होंने कहा कि इसके ठीक विपरीत आज वर्तमान मोदी सरकार देश के युवाओं, छात्रों व जेन-जी से डरी हुई है और उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं करना चाहती। कांग्रेस प्रवक्ता ने फॉर्म-6 में असंवैधानिक तरीके से किए गए बदलाव को लेकर भी मुख्य चुनाव आयुक्त को घेरा। उन्होंने बताया कि जुलाई, 2026 में चुपके से फॉर्म-6 ए में एक खंड जोड़ दिया गया जिसके तहत पहली बार मतदाता

# आज की छोटी सी बचत ही कल की बड़ी पूंजी

- बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ ज्यादा पैसा नहीं, सही समय और नियमित निवेश जरूरी
- निवेश को लंबा समय दें, लक्ष्य के अनुसार वित्तीय योजना से रणनीति तैयार करें

**निवेश मंत्रा**  
**बिजनेस डेस्क**  
बड़े वित्तीय लक्ष्य एक-दो साल में पूरे नहीं होते।

इनके लिए कम उम्र से योजना बनाकर नियमित निवेश करना और उसे लंबे समय तक जारी रखना जरूरी है। छोटी रकम से शुरू किया गया निवेश भी पर्याप्त समय मिलने पर बड़ा फंड तैयार करने में मदद कर सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण चक्रवृद्धि का प्रभाव है, जिसमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे चलकर अतिरिक्त रिटर्न कमाने का आधार बनता है। वित्तीय योजना बनाते समय सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस उद्देश्य के लिए कितनी रकम और कितने समय बाद चाहिए। घर खरीदने, बच्चों की उच्च शिक्षा, कारोबार शुरू करने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई जा सकती है। एक ही निवेश विकल्प में पूरी रकम लगाने के बजाय जोखिम और जरूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में विविधता रखना भी महत्वपूर्ण है।



## 6000 रुपये महीने से समझें लंबी अवधि का असर

मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 6,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और इसे 25 वर्षों तक जारी रखता है। यदि औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न की सिर्फ गणना के लिए धारणा ली जाए, तो 25 साल में फंड करीब 1.13 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसी उदाहरण में पांच साल बाद निवेश का अनुमानित मूल्य करीब 4.95 लाख रुपये, 10 साल बाद 13.86 लाख रुपये, 15 साल बाद 30.27 लाख रुपये और 20 साल बाद लगभग 60 लाख रुपये बताया गया है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात रकम से ज्यादा समय है। लंबे समय तक निवेश जारी रहने पर चक्रवृद्धि का प्रभाव बढ़ता जाता है। हालांकि, 12 प्रतिशत रिटर्न केवल उदाहरण के लिए लिया गया है। बाजार आधारित निवेश में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक रकम बाजार के प्रदर्शन के अनुसार अलग हो सकती है।

## लक्ष्य की तारीख तय किए बिना न बनाएं निवेश योजना

निवेश शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि रकम की आवश्यकता कब पड़ेगी। निकट भविष्य में इस्तेमाल होने वाले पैसे और 20-25 साल बाद चाहिए रकम के लिए एक जैसी रणनीति नहीं अपनाई जानी चाहिए। दो-तीन साल में किसी लक्ष्य के लिए पैसा चाहिए तो निवेश में जोखिम का स्तर सीमित रखना जरूरी हो सकता है। दूसरी तरफ लंबी अवधि के लक्ष्यों में निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार बाजार से जुड़े विकल्पों पर विचार कर सकता है। निवेश की शुरुआत केवल रिटर्न की तलाश से नहीं होनी चाहिए। परिवार की आकस्मिक जरूरतों के लिए अलग रकम रखनी भी वित्तीय योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नौकरी में बदलाव, अचानक बड़ा खर्च या अन्य आपात स्थिति में यह फंड आर्थिक दबाव कम कर सकता है।

*रिटायरमेंट आमतौर पर सबसे लंबे वित्तीय लक्ष्यों में शामिल होता है। यदि इसकी तैयारी नौकरी के शुरुआती वर्षों में शुरू कर दी जाए तो लंबे समय का फायदा मिलता है। यहां भी सिर्फ आज के खर्च को आधार बनाना पर्याप्त नहीं है। भविष्य की महंगाई और रिटायरमेंट के बाद कितने वर्षों तक रकम की जरूरत होगी, इसका अनुमान लगाना चाहिए।*

## 10 साल में बनाया जा सकता है बड़ा लक्ष्य

नौकरी या कारोबार शुरू करने के शुरुआती वर्षों में आय भले ही सीमित हो, लेकिन इसी समय नियमित निवेश की आदत विकसित करना फायदेमंद हो सकता है। शुरुआत छोटी SIP से की जा सकती है और आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाई जा सकती है। 10 साल बाद घर की डाउन पेमेंट, उच्च शिक्षा या अन्य बड़े खर्च के लिए रकम जुटाने में तो आज से ही अनुमान लगाना चाहिए कि भविष्य में कितने पैसे की जरूरत होगी।

## 20 साल में बढ़ाया जा सकता है निवेश

लंबी नौकरी अवधि में आमतौर पर आय में बदलाव की संभावना रहती है। वेतन बढ़ने या अतिरिक्त आय होने पर निवेश को भी उसी अनुपात में बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। इसे नियमित एसआईपी साथ अतिरिक्त निवेश के जरिए भी किया जा सकता है। लंबी अवधि में बाजार में तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिल सकती है। इसलिए निवेशक को केवल थोड़े समय के उतार-चढ़ाव को देखकर अपना लंबी अवधि का लक्ष्य बदलने से बचना चाहिए।

पूरा पैसा एक जगह लगाने से बचें  
निवेश पोर्टफोलियो में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों का संतुलन जोखिम को समझने में मदद करता है। दिए गए उदाहरण में इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे विकल्पों का मिश्रण दिखाया गया है। लेकिन हर व्यक्ति के लिए इनका अनुपात समान नहीं हो सकता। निवेश का वितरण व्यक्ति की उम्र, आय, वित्तीय लक्ष्य, समयवधि और जोखिम सहने की क्षमता के आधार पर तय होना चाहिए। लक्ष्य करीब आने पर जोखिम वाले निवेश का अनुपात कम करने की जरूरत भी पड़ सकती है। लंबी अवधि का निवेश करने के बाद समय-समय पर यह देखना चाहिए कि निवेश लक्ष्य के मुताबिक आगे बढ़ रहा है या नहीं।

## निवेश के 6 जरूरी मंत्र

- जल्दी शुरुआत करें : कम उम्र में निवेश शुरू करने से लंबी अवधि का फायदा मिलेगा।
- लक्ष्य तय करें : घर, शिक्षा, रिटायरमेंट जैसे हर लक्ष्य के लिए समयवधि तय करें।
- एसआईपी को नियमित रखें : छोटी रकम से शुरुआत करके आय बढ़ने के साथ निवेश बढ़ाया जा सकता है।
- चक्रवृद्धि का लाभ लें : लंबे समय तक निवेश रहने पर रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने का असर बढ़ता है।
- पोर्टफोलियो में विविधता रखें : इक्विटी, डेट, गोल्ड आदि में जोखिम क्षमता के अनुसार संतुलन बनाया जा सकता है।
- समय-समय पर समीक्षा करें : आय, उम्र, लक्ष्य और जोखिम क्षमता बदलने पर निवेश योजना में भी बदलाव करें।
- निवेश से पहले जरूर देखें
- कितने समय के लिए पैसा लगाना है?
- लक्ष्य के लिए कितनी रकम चाहिए?
- जोखिम उठाने की क्षमता कितनी है?
- आपातकालीन फंड तैयार है या नहीं?
- निवेश की समय-समय पर समीक्षा हो रही है?

# एसआईपी में बढ़ता पैसा, स्मॉल कैप में तेजी निवेशकों के लिए खतरे की घंटी या अवसर?

**सावधानी**  
**बिजनेस डेस्क**

भारतीय निवेश बाजार में एसआईपी पर भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। अगस्त 2026 में निवेशकों ने म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए रिकॉर्ड 32,297 करोड़ रुपये लगाए। साथ ही योगदान करने वाले एसआईपी खातों की संख्या भी 10 करोड़ के पार पहुंच गई। दूसरी ओर, स्मॉल कैप फंडों में अगस्त के दौरान 7,973 करोड़ का निवेश आया। मिडकैप फंडों में भी करीब 6,989 करोड़ रुपये का प्रवाह रहा। यानी निवेशकों की दिलचस्पी ज्यादा जोखिम वाली इक्विटी श्रेणियों में भी बनी हुई है। यह आंकड़ा देखकर पहला सवाल स्वाभाविक है। क्या स्मॉल कैप में इतनी तेजी और निवेश का बढ़ता प्रवाह बाजार में जरूरत से ज्यादा उत्साह का संकेत है? इसका सीधा जवाब हां या नहीं में देना सही नहीं होगा। रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को अपने-आप में खतरे की घंटी नहीं माना जा सकता। एसआईपी निवेश का मतलब यह भी है कि लोग नियमित रूप से बाजार में पैसा लगा रहे हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव को समय के साथ ओसत करने की कोशिश कर रहे हैं। एएमएफआई भी एसआईपी को नियमित और अनुशासित निवेश की पद्धति बताता है।

## सवाल स्मॉल कैप नहीं, सही अनुपात

स्मॉल कैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से छोटी कंपनियां होती हैं। इनमें भविष्य में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी बड़े हो सकते हैं। इसलिए स्मॉल कैप फंड में निवेश का सवाल केवल यह नहीं है कि अभी इसमें पैसा जा रहा है या नहीं। सवाल यह है कि निवेशक के पूरे पोर्टफोलियो में इसका



हिस्सा कितना है। मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी करता है। यदि वह पूरी रकम केवल स्मॉल कैप फंड में एसआईपी देता है, तो उसका पोर्टफोलियो बाजार की तेज गिरावट के समय ज्यादा उतार-चढ़ाव देख सकता है। इसके विपरीत, वही निवेशक अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, मल्टीसेक्टर कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप, या हाइब्रिड श्रेणियों का संतुलन बनाता है तो जोखिम को अलग तरीके से संभाला जा सकता है।

## एसआईपी का रिकॉर्ड निवेशकों को क्या बताता है?

अगस्त में एसआईपी योगदान 32,297 करोड़ रुपये रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है। जुलाई में यह 31,961 करोड़ रुपये और जून में 31,781 करोड़ था। यानी लगातार तीन महीनों से एसआईपी प्रवाह 31 हजार करोड़ से ऊपर रहा। अगस्त तक वित्त वर्ष 2026-27 में एसआईपी के जरिए 1.58 लाख करोड़ से ज्यादा जमा हो चुके थे। आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों का एक बड़ा वर्ग बाजार की रोजाना चाल के बजाय नियमित निवेश पर भरोसा कर रहा है। लेकिन यहां भी सावधानी जरूरी है। एसआईपी बाजार में नुकसान से सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। जिस फंड में एसआईपी चल रही है उसका मूल्य गिरता है, तो निवेशक के निवेश का मूल्य भी घट सकता है। लंबे समय में नियमित निवेश का

फायदा बाजार के अलग-अलग स्तरों पर यूनित खरीदने से हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त समय और अनुशासन जरूरी है।

## तेजी देखकर एसआईपी बढ़ाना जरूरी नहीं

स्मॉल कैप फंडों में लगातार पैसा आने से कई निवेशकों को यह लग सकता है कि अभी ज्यादा रकम लगाने का सही समय है। यही वह जगह है जहां निवेशक को सावधान होना चाहिए। पिछला प्रदर्शन भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं है। अगर किसी श्रेणी ने कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन किया है तो केवल उसी आधार पर उसमें निवेश का हिस्सा बढ़ाना जरूरी नहीं। निवेश का फैसला लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर होना चाहिए। अगर किसी निवेशक का लक्ष्य 15-20 साल दूर है और वह बाजार में बड़ी गिरावट सहने की क्षमता रखता है तो उसके लिए इक्विटी में ज्यादा हिस्सा अलग हो सकता है। लेकिन कुछ साल में घर, बच्चों की पढ़ाई या किसी अन्य बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो अत्यधिक अस्थिर श्रेणी में बड़ा निवेश जोखिम बढ़ा सकता है।

## नए निवेशक सबसे बड़ी गलती कहां करते हैं?

तेजी के समय निवेशक अक्सर रिटर्न देखकर फंड चुनते हैं। किसी स्मॉल कैप फंड ने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया तो उसमें एसआईपी शुरू कर दी। फिर बाजार गिरने पर घबराकर एसआईपी बंद कर दी। इससे एसआईपी की मूल भावना ही कमजोर हो जाती है। दूसरी गलती है एक ही श्रेणी के कई फंड खरीद लेना। पांच अलग-अलग स्मॉल कैप फंड रखने का मतलब जरूरी नहीं कि पोर्टफोलियो ज्यादा विविध हो गया। कई फंडों के पोर्टफोलियो में समान कंपनियां हो सकती हैं। तीसरी गलती है बाजार की तेजी में एसआईपी की रकम अचानक बहुत ज्यादा बढ़ा देना। एसआईपी की रकम बढ़ाने का फैसला आमदनी, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम क्षमता में बदलाव के आधार पर होना चाहिए, केवल बाजार की तेजी देखकर नहीं।

## निवेशक क्या करें?

- **पहला** : एसआईपी बंद न करें, लेकिन उसकी समीक्षा जरूर करें। अगर निवेश लंबी अवधि के लक्ष्य के लिए है और फंड तथा जोखिम स्तर उपयुक्त हैं तो केवल बाजार की चाल देखकर एसआईपी रोकना जरूरी नहीं।
- **दूसरा** : स्मॉल कैप का हिस्सा जांचें। पूरे पोर्टफोलियो में स्मॉल कैप कितना है, यह देखें। जरूरत से ज्यादा हो गया है तो नए निवेश को दूसरी श्रेणियों में मोड़ने पर विचार किया जा सकता है।
- **तीसरा** : लक्ष्य के हिसाब से निवेश करें। रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा, घर या आपातकालीन जरूरत हर लक्ष्य की समयवधि अलग है। उसी हिसाब से जोखिम लेना चाहिए।
- **चौथा** : आपातकालीन फंड अलग रखें। शेयर बाजार या इक्विटी म्यूचुअल फंड को अचानक आने वाले खर्च के लिए इस्तेमाल करने की योजना नहीं बनानी चाहिए।
- **पांचवां** : बाजार को समय देने के बजाय समय को बाजार में दें। लंबी अवधि के निवेश में अनुशासन महत्वपूर्ण है। बाजार कब ऊपर जाएगा या कब नीचे आएगा, इसकी भविष्यवाणी करने के बजाय निवेश की अवधि और परिसंपत्ति-वितरण पर ध्यान देना ज्यादा व्यावहारिक है।

**रिकॉर्ड एसआईपी खतरा नहीं, चेतावनी जरूर है**  
रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को बाजार में बुलबुले का प्रमाण मानना जल्दबाजी होगी। भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार भी हुआ है और निवेशकों की संख्या बढ़ी है। अगस्त 2026 के अंत में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम करीब 87.08 लाख रुपये करोड़ था। लेकिन इकट्ठा प्रवाह निवेशकों के लिए एक दूसरी तरह की याद दिलाता है। निवेश बढ़ रहा है तो वित्तीय समझ भी उसी गति से बढ़नी चाहिए। स्मॉल कैप में पैसा बढ़ रहा है, एसआईपी रिकॉर्ड बना रही है और नए निवेशक बाजार से जुड़ रहे हैं। ऐसे समय में सही सवाल यह नहीं होना चाहिए कि "कितना ज्यादा रिटर्न मिलेगा", बल्कि यह होना चाहिए कि "मेरे लक्ष्य के लिए कितना जोखिम उचित है?"



# महिलाओं और छोटे शहरों ने बदला म्यूचुअल फंड का ट्रेंड

■ बी-30 शहरों के म्यूचुअल फंड निवेश में इक्विटी की हिस्सेदारी 65.9%

■ महिलाओं के पोर्टफोलियो में भी 5 साल में 40% से बढ़कर 65% हुआ हिस्सा

**समझदारी**  
**बिजनेस डेस्क**

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश का नक्शा तेजी से बदल रहा है। कभी इक्विटी म्यूचुअल फंड को बड़े शहरों और शेयर बाजार की अच्छी समझ रखने वाले निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। महिलाएं और छोटे शहरों-कस्बों के निवेशक तेजी से इक्विटी म्यूचुअल फंड की ओर बढ़ रहे हैं। इससे न केवल म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार बढ़ रहा है, बल्कि देश में निवेश की आदतों में भी बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, महिला निवेशकों के म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में इक्विटी की हिस्सेदारी मार्च 2020 में करीब 40% थी, जो मार्च 2025 में बढ़कर 65% हो गई। यानी पांच साल में महिलाओं के पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा 25 प्रतिशत अंक बढ़ा। इसी अवधि में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग के एयूएम में इक्विटी की हिस्सेदारी 27% से बढ़कर 45% हुई। इसका मतलब यह नहीं है कि हर महिला निवेशक अब आकामक तरीके से शेयर बाजार में पैसा लगा रही है। इसका बड़ा संकेत यह है कि महिला निवेशकों के बीच इक्विटी को लंबे समय के निवेश के एक विकल्प के तौर पर स्वीकार्यता बढ़ी है। यह बदलाव वित्तीय निर्णयों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की ओर भी इशारा करता है।

**छोटे शहरों में इक्विटी का बढ़ता भरोसा**  
निवेश के इस बदलते ट्रेंड का दूसरा बड़ा पहलू बी-30 यानी टॉप-30 शहरों के बाहर के शहरों और कस्बों से जुड़ा है। जुलाई 2026 तक B30 लोकेशन के म्यूचुअल फंड एयूएम में इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम्स की हिस्सेदारी 65.9% रही। इसके मुकाबले टी-30 यानी बड़े शहरों में यह हिस्सा 59.8% था। यह आंकड़ा खासा महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ है कि छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच इक्विटी आधारित योजनाओं की पैठ बढ़ी है। हालांकि कुल म्यूचुअल फंड एयूएम में टी-30 शहरों का योगदान अभी भी बड़ा है, लेकिन बी-30 में इक्विटी की ऊंची हिस्सेदारी बताती है कि म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार अब महानगरों से आगे निकल रहा है। डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन केवाईसी, मोबाइल आधारित निवेश और एसआईपी जैसे आसान विकल्पों ने छोटे शहरों के निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड तक पहुंच आसान की है। पहले निवेश के लिए बैंक शाखा या वित्तीय सलाहकार पर निर्भरता ज्यादा थी।

**रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें**  
इक्विटी म्यूचुअल फंड में बढ़ती भागीदारी उत्साहजनक आंकड़ा हो सकती है, लेकिन निवेशकों के लिए निवेश का अर्थ यह नहीं है कि इक्विटी में पैसा लगाना हर व्यक्ति के लिए उपयुक्त है। इक्विटी में बाजार जोखिम होता है और रिटर्न निश्चित नहीं होता। 31 अगस्त 2026 तक पांच साल की अवधि में निपटी 50 टीआरआई का सीपजीआर 8.32% रहा, जबकि इक्विटी फंड कैटेगरी का औसत रिटर्न 12.84% रहा। लेकिन यह पिछले प्रदर्शन का आंकड़ा है, भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं।

## एयूएम गिरा, फी भी निवेशक जुड़े रहे

फरवरी से मार्च 2026 के बीच भी इक्विटी एयूएम 35.4 लाख करोड़ से घटकर 32 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन फोलियो में बढ़ोतरी जारी रही। इसका एक कारण यह भी है कि बाजार में गिरावट आने पर एयूएम शेयरों और अन्य इक्विटी परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य में कमी से घट सकता है। इसका अर्थ यह जरूरी नहीं कि उसनी ही मात्रा में निवेशकों ने पैसा निकाल लिया हो। यही अंतर नए निवेशकों को समझना चाहिए। म्यूचुअल फंड का एयूएम बढ़ना हमेशा केवल नए पैसे आने का परिणाम नहीं होता और एयूएम घटना हमेशा बड़े पैमाने पर निकालों का संकेत नहीं होता। बाजार की चाल भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।



● **ऐसा करना कई बार बन जाता है कर्ज का बोझ बढ़ाने की शुरुआत**

● **कम होती बचत, बढ़ते ब्याज और डिफॉल्ट के जोखिम का खतरा**

# पुराना कर्ज चुकाने के लिए नया लोन लेने की आदत खतरनाक

**अलर्ट**  
**बिजनेस डेस्क**

महीने की शुरुआत में सैलरी आती है और कुछ ही दिनों में उसका बड़ा हिस्सा ईएमआई में चला जाता है। फिर महीने के अंत में किसी जरूरी खर्च के लिए पैसे कम पड़ते हैं। ऐसे में क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन या किसी डिजिटल लोन एप से रकम लेकर पुरानी ईएमआई चुका देना आसान रास्ता लगता है। समस्या तब शुरू होती है, जब यह तरीका एक बार की मजदूरी से निकलकर हर महीने की आदत बन जाता है। एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना व्यक्ति को कर्ज से बाहर नहीं निकालता, बल्कि कई मामलों में उसे और गहरे कर्ज में धकेल सकता है। पुरानी ईएमआई चुकाने के लिए नया लोन लेने पर तत्काल भुगतान तो हो जाता है, लेकिन नई देनदारी भी जुड़ जाती है। अगले महीने पुरानी ईएमआई के साथ नए लोन की ईएमआई या क्रेडिट कार्ड का भुगतान भी करना पड़ता है।

## एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मानला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर ऐसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रेप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।



## असली खतरा ब्याज के साथ बढ़ता बोझ है

नया लोन लेने में सिर्फ मूल रकम नहीं चुकानी होती। उसके साथ ब्याज और कई मामलों में अन्य शुल्क भी जुड़े होते हैं। खासकर क्रेडिट कार्ड के बकाया को लंबे समय तक चुकाने पर लागत काफी बढ़ सकती है। यानी 10 हजार रुपये की कमी पूरि करने के लिए लिया गया कर्ज केवल 10 हजार रुपये की देनदारी नहीं रहता। ब्याज और शुल्क के कारण भविष्य में भुगतान इससे ज्यादा हो सकता है।

## परिवार के बजट पर असर

ईएमआई बढ़ने का सीधा असर मासिक बजट पर पड़ता है। किराना, बिजली-पानी, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, यात्रा और दूसरे जरूरी खर्चों के लिए उपलब्ध रकम कम होने लगती है। इसके बाद बचत प्रभावित होती है। पहले व्यक्ति निवेश के लिए पैसा निकालना बंद करता है, फिर आपातकालीन फंड का इस्तेमाल कर सकता है और अंततः छोटी-छोटी जरूरतों की भी क्रेडिट कार्ड या लोन का सहारा लेना शुरू कर सकता है।

## बचत और निवेश भी रुक जाते हैं

मान लीजिए किसी व्यक्ति को हर महीने 5 हजार रुपये एसआईपी में निवेश करने थे। लेकिन लगातार बढ़ती ईएमआई के कारण वह एसआईपी बंद कर देता है। दूसरी तरफ, कर्ज पर ब्याज का भुगतान जारी रहता है। लंबी अवधि में इसका असर बड़ा हो सकता है। निवेश बंद होने से भविष्य के लक्ष्य प्रभावित होते हैं और कर्ज की लागत अलग से बढ़ती रहती है। इसलिए किसी व्यक्ति की वित्तीय स्थिति को केवल यह देखकर नहीं समझा जा

सकता कि उसकी सैलरी कितनी है। यह भी देखना जरूरी है कि सैलरी का कितना हिस्सा कर्ज चुकाने में जा रहा है।

**अतिरिक्त आय न समझें**  
क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सुविधा के लिए किया जा सकता है, लेकिन इसकी लिमिट का अपनी अतिरिक्त आय समझना बड़ी गलती हो सकती है। अगर हर महीने पूरा बिल चुकाने के बजाय लगातार बकाया आगे बढ़ाया जा रहा है तो व्यक्ति अपनी भविष्य की आय पहले ही खर्च कर रहा है।

**कैसे पहचानें कि आप डेट ट्रेप की ओर बढ़ रहे हैं?**

- पहला, महीने की ईएमआई चुकाने के लिए बार-बार नया कर्ज लेना।
- दूसरा, क्रेडिट कार्ड का पूरा बिल चुकाने के बजाय लगातार न्यू, भुगतान करना।
- तीसरा, सैलरी आने के कुछ दिनों में ही बैंक खाते में बहुत कम रकम बचाना।
- चौथा, बचत और निवेश लगातार बंद करना ताकि ईएमआई चुकाई जा सके।
- 5वां, एक साथ कई लोन की ईएमआई चलना और हर माह किस्त की चिंता रहना।

**डेट ट्रेप से निकलने का पहला कदम क्या हो?**

सबसे पहले नए कर्ज से समझना की ढकना बंद करना जरूरी है। इसके बाद सभी कर्ज की सूची बनाएं। कितना मूलधन बाकी है, ब्याज दफ कितनी है, ईएमआई कितनी है और कितने महीने बाकी है। इसके बाद गैर-जरूरी खर्चों को अस्थायी रूप से कम करके उपलब्ध रकम का इस्तेमाल महंगे कर्ज को कम करने में किया जा सकता है। यदि कई कर्ज हैं तो उनकी ब्याज दर और बतों की तुलना करके प्राथम्यता या उचित समेकन के विकल्पों पर बंद या योग्य वित्तीय सलाहकार से बात की जा सकती है।

# बरवाल की ऐतिहासिक जीत, मैराथन में 44 साल के सूखे को किया खत्म



एजेसी ►► नागोया

सावन बरवाल ने एशियाई खेलों में पुरुषों की मैराथन फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर अप्रत्याशित रजत पदक जीता, जो इस स्पर्धा 44 साल बाद भारत का पहला पदक है। भारत ने पिछली बार मैराथन में पदक 1982 के एशियाई खेलों में जीता था। सेना के 28 वर्ष के खिलाड़ी बरवाल ने 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड में 42.195 किलोमीटर की मैराथन पूरी की।

वह स्वर्ण पदक जीतने वाले जापान के इचिताका यामाशिता से 48 सेकंड पीछे रहे, जिन्होंने दो घंटे 10 मिनट 49 सेकंड का समय निकाला। चीन के पेड्यू फेंग 2 घंटे 12 मिनट 13 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। एशियाई खेलों में मैराथन में इससे पहले 1982 में दिल्ली में होंसुर कुक्काप्पा सीतारन ने भारत को कांस्य पदक दिलाया था। बरवाल एशियाई खेलों में मैराथन में पदक जीतने वाले चौथे भारतीय भी बन गए।

## 1951 में छोटा सिंह ने जीता था स्वर्ण

दिल्ली में 1951 में पहले एशियाई खेलों में छोटा सिंह ने स्वर्ण और सूरत सिंह माथुर ने कांस्य पदक जीता था। बरवाल ने 5000 मीटर, 10000 मीटर और हाफ मैराथन दौड़ने के बाद इसी साल मैराथन में पदार्पण किया। अप्रैल में बरवाल ने रॉटरडम में एनएन मैराथन में शिवनाथ सिंह का 48 साल पुराना दो घंटे 11 मिनट 58 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

## मेरा लक्ष्य पदक जीतना था : बरवाल

बरवाल ने रेस के बाद कहा, 'मेरा लक्ष्य पदक जीतना था, अपना रिकॉर्ड बेहतर करना नहीं। लेकिन यह भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। मुझे खुशी है कि इतने लंबे समय बाद देश के लिए पदक जीत सका। बरवाल आधी रेस पूरी होने तक दूसरे स्थान पर चले गए थे। उन्होंने कहा,

मेरा लक्ष्य 39.40 किलोमीटर तक पहले ग्रुप में रहना था। मैं पहले ग्रुप में रहा और आखिरी एक दो किलोमीटर में फिनिश करने का फैसला किया। आखिर में 38.37 किलोमीटर में तीव्र हो रनर था। मैंने एक सी रफ्तार बनाये रखने की कोशिश की।

## महिला टीम को राइफल थ्री पोजिंशंस में रजत



नागोया। भारत की तिलोत्तमा सेन, विदर्सा विनोद और आशी चौकसी की तिकड़ी ने शनिवार को महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिंशंस में रजत पदक जीता और तिलोत्तमा व्यक्तिगत स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही। भारतीय टीम ने 1763 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 1773 अंक लेकर खेलों के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण

पदक जीता जबकि कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। व्यक्तिगत फाइनल में तिलोत्तमा ने अहम मौके पर 9.4 स्कोर किया, जिससे पदक करीब से हाथ से निकल गया। विदर्सा 327.4 अंक लेकर पांचवें स्थान पर रही। तिलोत्तमा फाइनल में पहले 25 शॉट के बाद आगे चल रही थी और 30 शॉट के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई।

## बैडमिंटन : क्वार्टर फाइनल में उन्नति, आयुष और लक्ष्य बाहर



वर्षीय खिलाड़ी ने दुनिया की छठे नंबर की इंडोनेशियाई खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वारदनी पर 21-19, 21-13 की शानदार जीत दर्ज की और जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ क्वार्टरफाइनल मुकाबला तय किया।

युवा शटलर उन्नति हुड्डा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो बेहतरीन जीत दर्ज की और महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई जबकि लक्ष्य सेन और आयुष शेण्डी शनिवार को एशियाई खेलों से बाहर हो गए। उन्नति ने मलेशिया की लिंग चिंग वोंग को 21-14, 20-22, 21-19 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। इसके बाद हरियाणा की 19

## क्वार्टर फाइनल में कपिल और प्रिया



मुक्तेबाज कपिल पोखरिया (90 किग्रा) और प्रिया घंघास (60 किग्रा) ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया लेकिन जादूमणि सिंह (55 किग्रा) का सफर समाप्त हो गया। उत्तराखंड के कपिल ने ईरान के सैम एस्ताकी पर 5-0 की जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। प्रिया ने कोरियाई ओह यिओजी पर सर्वसम्मत 5-0 की जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

जादूमणि पुरुषों के 55 किलो वर्ग में फिनीफ़्स के तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता कार्लो पालाम से 0-3 से हार गए। पोखरिया ने शुरू ही से दबाव बनाकर पहले दौर में 4-1 की बढ़त बना ली। अपने दमदार पंच की मदद से उन्होंने लंबे कद के एस्ताकी को खुलकर खेलने नहीं दिया।

## पुरुष हॉकी : जापान को हराकर सेमीफाइनल में टीम इंडिया



काकानिगाहा। गत चैंपियन भारत ने शनिवार को पूरा ए के कड़े मुकाबले में मेजबान जापान को 2-0 से हराकर एशियाई खेलों की पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत ने इससे पहले अपने शुरूआती तीन पूल मुकाबलों में इंडोनेशिया को 13-1, श्रीलंका को 16-1 और दक्षिण कोरिया को 8-2 से करारी खिस्त दी थी। यह भारत की लगातार चौथी जीत थी, जिससे उनका अजेय अभियान जारी रहा।

## खबर संक्षेप



## दौड़ : प्राची ने 400 मीटर में जीता कांस्य

नागोया। प्राची चौधरी ने महिला 400 मीटर दौड़ के फाइनल में 53.21 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक अपने नाम किया। बहरीन की सलवा नासेर ने 49.20 सेकंड के इन खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। ईरान की जहरा जारेई मनौजान ने 52.38 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। फाइनल में शामिल एक अन्य भारतीय धाविका किरण पहल 53.41 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। प्राची ने अब अपना ध्यान चार गुणा 400 मीटर रिले पर केंद्रित कर लिया है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक जीतकर उन्होंने अपनी क्षमता साबित कर दी है।

## ज्योतिष

कहते नहीं करके दिखाते हैं सभी हमसूअरों का समाधान जैसा चाहोगे करके दूंगा

कारोबार, प्यार में परेशानी, दुश्मन से छुटकारा, गृहवत्सेश, पति-पत्नी के झगड़े, लव मैरिज, प्रोपर्टी, कोर्ट केस, किया कराया, जादू टोना, मनचाही इच्छा

A to Z समस्या का समाधान स्पेशलिस्ट मनचाहा प्यार, प्रेम-विवाह पंडित पी. के. शारसी हमारे किये हुए काम को कोई ज्योतिष, पंडित या मोलवी काट दे तो उसे मुंह मांगा ईनाम। काम ना होने पर पैसे वापस +91 99974 92579

## कोहली 2027 में खेलेंगे आखिरी विश्व कप, रोहित का आया रिएक्शन

एजेसी ►► तिरुवनंतपुरम

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि अगले साल होने वाला वनडे विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा, जिसमें खिताब जीतने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए वह अपना सब कुछ झोंक देंगे। 37 साल के कोहली अब सिर्फ एक प्रारूप में खेल रहे हैं। उन्होंने रविवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला से पहले अपने भविष्य को लेकर यह बात कही। अगले साल का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा।

## निश्चित रूप से विश्व कप जीतना लक्ष्य : विराट

कोहली ने कहा, 'मेरे लिए यह भारत की ओर से खेला जाने वाला आखिरी विश्व कप होगा और यही मेरी प्रेरणा है। मैं अपना सब कुछ झोंक देना चाहता हूं। निश्चित रूप से लक्ष्य विश्व कप जीतना है और इसके लिए जो भी करना पड़ेगा, मैं उसके लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

## भारत का तीरंदाजी में शानदार आगज

एजेसी ►► ओकाजाकी सिटी

धीरज बोम्मादेवरा ने पुरुष रिकर्व और चौकिता तनिपर्थी ने महिला



कंपाउंड व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल करने की बदौलत भारत ने शनिवार को एशियाई खेलों की तीरंदाजी प्रतियोगिता में कंपाउंड मिश्रित टीम क्वालीफिकेशन में भी शीर्ष स्थान हासिल किया। हाल ही में विश्व कप

फाइनल जीतने वाले विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज धीरज ने पुरुष रिकर्व क्वालीफिकेशन में 698 अंक जुटाकर नया एशियाई खेल क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पहले 36 प्रयास में में 348 और अगले 36 तीरों में 350 अंक हासिल किए। इससे पहले यह रिकॉर्ड दक्षिण कोरिया के ली वूसियोग के नाम था, जिन्होंने 690 अंक बनाए थे। सियोग इस बार 690 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। दक्षिण कोरिया के किम जे दियोग 693 अंक के साथ दूसरे और चीनी ताधे के चिन हुन तांग 692 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

## आज से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज



## क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होगी भारत और अफगानिस्तान की टीम

एजेसी ►► नई दिल्ली

एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के लीग मुकाबले समाप्त हो गए हैं। मलेशिया और ओमान के बीच ग्रुप बी का मुकाबला बारिश की वजह से धुल जाने के साथ ही लीग मुकाबले खत्म हो गए।

लीग मुकाबलों के बाद अगला राउंड क्वार्टर फाइनल का है। चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले होने हैं। क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल सामने आ चुका है।



## पहला क्वार्टर फाइनल 28 सितंबर को

पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और हांगकांग, चाइना

के बीच 28 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच 28 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा। तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से श्रीलंका और नेपाल के बीच खेला जाएगा। चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से बांग्लादेश और मलेशिया के बीच खेला जाएगा।

## वनडे विश्व कप जीतने के बाद महिला क्रिकेट आगे बढ़ा : शेफाली

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। टीम को चैंपियन बनाने में शेफाली वर्मा ने अहम किरदार निभाया। शेफाली ने कहा कि वनडे विश्व कप जीतने के बाद से महिला क्रिकेट काफी आगे बढ़ा है। उन्होंने अपने उस मुश्किल समय को भी याद किया, जब वह टीम से बाहर चल रही थीं। शेफाली ने कहा, मुझे याद है जब हमने वनडे विश्व कप की ट्रॉफी जीती थी तो हमने उसे उठाया था। उसके बाद से भारतीय महिला क्रिकेट काफी आगे बढ़ा है। बीच में कई मुश्किलें भी आईं। हम कोशिश करेंगे कि आगे ऐसी मुश्किलें न आएं और देश का नाम रोशन करें। शेफाली वर्मा ने उस समय को भी याद किया, जब वह भारतीय टीम से बाहर चल रही थीं। उन्होंने कहा,



जब मुझे टीम से बाहर किया गया, तो वह मेरे क्रिकेट करियर का सबसे दुखद पल था। वह समय मेरे लिए बहुत मुश्किल था। टीम से बाहर रहने के दौरान मैंने कितनी मेहनत की, यह सिर्फ मुझे ही पता है। सबसे अच्छी बात यह रही कि मैंने सब कुछ स्वीकार कर लिया। हां, मैं टीम में नहीं हूँ, लेकिन मुझे कड़ी मेहनत करनी है और इस समय का सही इस्तेमाल करना है। मुझे यह साबित करना था कि मैं सबसे अच्छी हूँ। मैं अपने देश और अपनी टीम के लिए सबसे अच्छी हूँ।

## परिवार ही हमारे लिए सब कुछ

भारतीय सलामी बल्लेबाज ने आगे कहा, इसी कारण मैंने इसके लिए बहुत मेहनत की। मैंने अपनी मानसिक सेहत, फिटनेस और फिटनेस पर काम किया। मुझे खुशी है कि उस समय मैंने सही फैसले लिए और खुद पर काम किया। मैंने खुद को किसी भी बुरी घटना या बातों का सामना नहीं करने दिया।

## 22 अक्टूबर न्यूजीलैंड दौरा

न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर को टी20 श्रृंखला से शुरू होगा, जिसके बाद वनडे श्रृंखला खेलनी है। तब तक हार्दिक की वापसी की संभावना नहीं है। समझा जाता है कि बीसीसीआई चाहता था कि हार्दिक टीम के साथ एशियाई खेलों में जाए और वीजा के लिए उनका पासपोर्ट भी लिया गया था। लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला से ठीक पहले फील्डिंग अभ्यास के दौरान उनके घुटने में दर्द उठा। उन्होंने ब्रेक लिया और फिटनेस सर्टिफिकेट हासिल करने ही वाले थे कि दर्द फिर उठ गया। स्कैन में चोट का पता चला। वह आईपीएल के बाद से बेंगलुरु में है और अब बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास कर रहे हैं।

## NOTICE

I, NIRBHAY SINGH RATHI S/O SH. SUKKHAN SINGH RATHI R/O B-67, AMAN PURI, NANGLOI, WEST DELHI, DELHI-110041 declare that NIRBHAY SINGH RATHI AND NIRBHEY SINGH both the names are of one and same person i.e. me. I confirm that I have updated my name from NIRBHEY SINGH TO NIRBHAY SINGH RATHI.

## PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.

VEHICLES FOR SALE 1) TATA MOTORS TATA\_INTRA REG. NO. DL1LAM7180-YOM- 2024

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS WITH IN 7 DAYS AT BRANCH ADDRESS: KOTAK MAHINDRA BANK 3RD FLOOR, PLOT NO 7, SECTOR 125, NOIDA-201313 OR CONTACT : RAMAN AHUJA KOTAK MAHINDRA BANK LTD. CONTACT NO. 8377988238 EMAIL-raman.ahuja@kotak.com

## सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ब्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

एजेसी ►► नई दिल्ली

सीनियर हरफनमौला हार्दिक पंड्या को दाहिनी पिंडली में फिर चोट लग गई है, जिससे वह तीन सप्ताह के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल सकेंगे और न्यूजीलैंड के सीमित ओवरों के दौरे से बाहर हो गए हैं। पंड्या को 20 सितंबर को वापसी करनी थी और चयनकर्ताओं ने उन्हें आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 6 अक्टूबर से शुरू हो रही वनडे

श्रृंखला में भारत ए टीम में चुना था। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हार्दिक के ताजा स्कैन में उनकी दाहिनी पिंडली में चोट का पता चला। उन्हें दो सप्ताह पूरी तरह से आराम की सलाह दी गई है। बीसीसीआई की मेडिकल पैनल के प्रमुख डॉक्टर दिनशां परदीवाला ने जापान से लौटकर उनकी रिपोर्ट देखी और वह तय करेंगे कि रिहैबिलिटेशन कब से शुरू हो सकता है।'

## तीन सप्ताह के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेलेंगे





### कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्योंकि सच्ची सहेली में हैं **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।  
24x7 Helpline: 77106 44444 • [www.sachisaheli.in](http://www.sachisaheli.in)

### 67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

**कठिन दर्द****चिड़चिड़ापन****थकान****कमजोरी****कमर कटना****इम्यूनिटी**



# सच्ची सहेली

## 9/11 हमलों का मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन पाकिस्तानी सेना की अकेडमी के पास ही छिपा बैठा था

भारतीय राजनयिक पेटल गहलोत बोलीं, आतंकवाद के जन्मदाता और संरक्षक देश का रात में कुछ-दिन में कुछ कहना हास्यास्पद है

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के मामले पर लगातार झूठ बोलना पाकिस्तान की एक आदत सी बन गई है। लेकिन उसे ये बिलकुल पता नहीं था कि न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के वार्षिक सत्र के दौरान ऐसी गुस्ताखी करना कितना भारी पड़ जाएगा। यहां हम बात कर रहे हैं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा महासभा में दिए गए उस भाषण की। जिसमें उन्होंने नई दिल्ली पर न केवल आतंकवाद को लेकर कई मिथ्या आरोप लगाए। बल्कि ऑपरेशन सिंदूर और सिंधु जल संधि को लेकर भी वैश्विक मंच पर कई अंगरंग बातें की हैं। मामला बेहद गंभीर था, जिसमें भारत ने अपने जवाब देने के अधिकार का तुरंत इस्तेमाल किया और यूपन में भारत के स्थायी मिशन में तैनात प्रथम सचिव पेटल गहलोत ने बड़ी बेबाकी के साथ पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को चारों खाने चित्त कर दिया। वहीं, दूसरी ओर रही सही कसर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के झूठे भाषण के वक्त एक अन्य



भारतीय राजनयिक आर. श्रीनिवास की हंसी ने पूरी कर दी। यहां बता दें कि यह पूरा मामला शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जमकर वायरल भी हुआ। जिसमें पेटल की लोग जमकर तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं। जबकि श्रीनिवास का पाक पीएम को दिया गया मुकाना भरा जवाब भी खूब पसंद किया जा रहा है।

### 9/11 हमले का मास्टरमाइंड कहां छिपा था?

पेटल गहलोत ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को करारा जवाब देते हुए कहा कि वर्तमान में अमेरिका में 9/11 हमलों की 25वीं बरसी मनाई जा रही है। इन हमलों का मास्टरमाइंड

## आतंकवाद पर झूठ बोलने वाले शहबाज शरीफ ने कराई पाकिस्तान की इंटरनेशनल बेइज्जती

सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुए देश के दो राजनयिक, पेटल गहलोत, आर. श्रीनिवास

और अलकायदा का संस्थापक आतंकवादी ओसामा बिन लादेन कहीं और नहीं बल्कि पाकिस्तान की सेना की अकेडमी के करीब ही छिपा हुआ था। दोपहर में पाकिस्तान के प्रतिनिधि के बयान कुछ अजीब तरह के थे। उनके देश द्वारा रात में आतंकवाद और दिन में सुरक्षा की बात करना हास्यास्पद लगता है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो आतंकवाद का जन्मदाता और संरक्षक दोनों है। ऐसे में वह कैसे संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद को लेकर ज्ञान दे सकता है?

**पीओके की दिनों दिन बदतर होती हालत देखो**

पेटल ने पाक प्रधानमंत्री के कश्मीर राग अलापने पर कहा कि लद्दाख समेत समूचा जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। पाकिस्तान को मानवाधिकारों की इतनी ही फिक्र है। तो उसे सबसे पहले अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके की ओर नजर दौड़ानी चाहिए। जहां बीते काफी वक्त

### ऑपरेशन सिंदूर में द्विपक्षीय था संघर्षविराम

उन्होंने पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत की सशस्त्र सेनाओं द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर अभियान के दौरान हुए संघर्षविराम का श्रेय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को देने को लेकर भी पाक पीएम को जमकर सुनाते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त भारत, पाकिस्तान के बीच हुआ संघर्षविराम पूरी तरह से द्विपक्षीय था। जिससे दुनिया के किसी देश की कोई भूमिका नहीं थी। भारत पहले भी कई बार इस तथ्य को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट कर चुका है। पाकिस्तान इस बात को भी न भूलें कि उसने ही भारत के सामने संघर्षविराम करने की गुहार लगाई थी। बताते चलें कि हाल ही में महसूमा को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी दोनों देशों के बीच संघर्षविराम करवाने का श्रेय लिया था। ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम करार कर कई लोगों की जिंदगियां बचा लीं।

### 2015 बैच की आईएफएस हैं पेटल

पेटल गहलोत 2015 बैच की भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) की अधिकारी हैं। इससे पहले उन्होंने मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र और फ्रेंच साहित्य में स्नातक किया है। बाद में दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज से राजनीति विज्ञान में गैल्ट मेडल के साथ परास्नातक की डिग्री ली। अमेरिका के मिडलबरी से भाषा व्याख्या और अनुवाद में परास्नातक किया। संयुक्त राष्ट्र में 2023 से वह भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव बनीं। 2024 से पेटल एडवाइजर की जिम्मेदारी भी संभाल रही हैं। 2020 से 2023 की अवधि में वह विदेश मंत्रालय में यूरोप वेटर्न डिवीजन में अंडर सेक्रेटरी भी रही हैं।

### धार्मिक सहिष्णुता पर ज्ञान की जरूरत नहीं

गहलोत के मुताबिक, ईशनिंदा के मामले पाकिस्तान का रिकॉर्ड किसी से छिपा नहीं है। वहां पर धार्मिक अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमले, उनके अधिकारों का लगातार हनन कोई नई बात नहीं है। पाकिस्तान एक ऐसा मुल्क है जिसकी बुनियाद ही धार्मिक कट्टरता और नफरत पर टिकी हुई है। उन्हें धार्मिक सहिष्णुता पर कुछ भी बोलने का कोई अधिकार नहीं है। भारत ही नहीं, पूरी दुनिया इस बात से अच्छी तरह से वाकिफ है कि पाकिस्तान में धार्मिक रूप से अल्पसंख्यक समुदायों जैसे हिंदू, सिख, ईसाई लोगों के साथ किस तरह का अमानवीय और क्रूर व्यवहार किया जाता है।

### आतंकवाद, परमाणु ब्लैकमेल नहीं चलेगा

पेटल ने कहा कि भारत आतंकवाद और परमाणु ब्लैकमेल को बदस्तूर नहीं करेगा। पाकिस्तान को खुद अपनी जमीन से संचालित हो रहे आतंकी शिविरों को नेस्तनाबूद करना चाहिए। भारत की आतंकवाद को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति बरकरार है। अगर पाकिस्तान की तरफ से भारत के खिलाफ कोई आतंकी हमला किया गया तो उसे खूब मानकर करारा जवाब दिया जाएगा।

### तबाह हुए रनवे, जले हैंगारों पर मनाओ काल्पनिक खुशी

उन्होंने कहा ऑपरेशन सिंदूर के बाद सामने आई सैटेलाइट तस्वीरों और अन्य प्रमाणों से यह साफ हो जाता है कि भारत की सेनाओं की कार्यवाही में पाकिस्तान को कितना नुकसान पहुंचा था। लेकिन बावजूद इसके अगर वो अपने तबाह हुए रनवे और जले हुए हैंगारों को अपनी जीत मानकर खुश होना चाहते हैं। तो उन्हें उनकी काल्पनिक खुशी सुबारक हो। सच्चाई तो कब की पूरी दुनिया के सामने आ चुकी है।

### जयशंकर ने युद्ध के बीच ऊर्जा, उर्वरकों की आपूर्ति बनाए रखने के लिए जताया खाड़ी देशों का आभार

# भारत-जीसीसी की बैठक में पश्चिम-एशिया संघर्ष से लेकर आतंकवाद के मुद्दों पर हुई चर्चा

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में बीते सात महीने से अधिक समय से चल रहे भीषण युद्ध के तनावपूर्ण माहौल में न्यूयॉर्क में आयोजित किए जा रहे संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81 वें सत्र से इतर भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) ट्रोइका की मंत्रिस्तरीय बैठक हुई। जिसमें भारत का नेतृत्व विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने चिंताजनक परिदृश्य में अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्गों में व्यवधान के बावजूद खाड़ी देशों द्वारा भारत को की गई कच्चे-तेल, गैस और उर्वरकों की नियमित आपूर्ति को लेकर परिषद के देशों का धन्यवाद दिया। साथ ही संघर्ष के बीच ही क्षेत्र में 1 करोड़ की बड़ी संख्या में रहने वाले प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित बनाए रखने के लिए सराहना की है। जयशंकर ने बातचीत-कूटनीति के माध्यम से संघर्षों का हल निकालने और क्षेत्रीय शांति-स्थिरता के महत्व के बारे में भी खाड़ी देशों के प्रतिनिधियों के समक्ष अपना पक्ष रखा। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

**एफटीए से मजबूत होगी साझेदारी**

मंत्रालय ने बताया कि बैठक में सभी भागीदारों के बीच आपसी हितों से जुड़े हुए



क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया। भविष्य में ऊर्जा साझेदारी को मजबूत बनाने पर भी भारत के विदेश मंत्री ने जोर दिया है। बैठक में अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में नौवहन की चुनौती, यूएन सहित अन्य वैश्विक संस्थाओं में सुधार के मामले में दिए गए समर्थन सहित आतंकवाद जैसी समकालीन चुनौती से दो-दो हाथ करने के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। दोनों के बीच इसी साल फरवरी महीने में संदर्भ शर्तों को तैयार किए जाने के बाद भारत-जीसीसी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिया गया है। समझौता पर हस्ताक्षर के बाद दोनों के बीच व्यापार को काफी बढ़ावा मिलेगा, वैश्विक हितों के मद्देनजर भी यह बेहद महत्वपूर्ण रहेगा। निर्यात का विस्तार होगा,

विविधीकरण बढ़ेगा व भारत, समूह देशों के बीच आर्थिक एकीकरण को भी मजबूती मिलेगी।

### जल्द होगी दूसरी बैठक

समूह नेताओं ने बैठक के दौरान भारत-जीसीसी संयुक्त कार्य योजना 2024-2028 के कार्यान्वयन की समीक्षा की है। यह वही दस्तावेज है, जिसे 2024 में हुई पहली बैठक में अपनाया गया था। राजनीतिक स्वाद, सुरक्षा, व्यापार-निवेश, कृषि-खाद्य सुरक्षा, परिवहन, ऊर्जा, स्वास्थ्य, संस्कृति-शिक्षा जैसे क्षेत्रों में संयुक्त गतिविधियों को कार्य योजना में शामिल किया गया है। भारत व्यापार को काफी बढ़ावा मिलेगा, वैश्विक हितों के मद्देनजर भी यह बेहद महत्वपूर्ण रहेगा। निर्यात का विस्तार होगा,

करने का जिक्र किया।

### 178.66 अरब डॉलर तक पहुंचा व्यापार

जयशंकर ने बताया कि भारत-जीसीसी देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार-निवेश में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में यह 178.66 अरब डॉलर का रहा है। 9 सितंबर 2024 को रियाद में समूह की पहली बैठक हुई थी। जिसकी उपलब्धियों को आगे बढ़ाने पर सभी ने प्रतिबद्धता जताई है। आमजन के बीच संबंधों को मजबूती प्रदान करने को लेकर भी बैठक में सभी पक्ष सहमत नजर आए।

### जीसीसी से बैठक में इनकी रही मौजूदगी

जीसीसी ट्रोइका स्तर पर बहरीन के विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल लतीफ, परिषद के महासचिव जसिम अलबुदैवी, सऊदी अरब साम्राज्य के विदेश राज्य मंत्री आदेल अल जुबैर शामिल हुए। जबकि युएई से अंतरराष्ट्रीय सहयोग मामलों को देखने वाले राज्य मंत्री रीम अल हाशिमी, कतर के विदेश मामलों के राज्य मंत्री सुल्तान अल मुरेखी, ओमान के विदेश मंत्रालय में संगठनों के विभाग के निदेशक राजदूत मोहम्मद बिन अब्दुल्ला, कुवैत के विदेश मामलों के सहायक मंत्री (राजदूत) हमद अल मारी ने भाग लिया।

### चर्चा में शामिल रहा सैन्य संघर्ष का मामला, लावरोव के साथ सहयोग पर हुई बातचीत

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81 वें सत्र से पहले विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को दुनिया के कई देशों के अपने समकक्षों और विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें हुई हैं। जिसमें ईरान, रूस और ओमान मुख्य रूप से शामिल हैं। काला सागर से लेकर पश्चिम-एशिया क्षेत्र में जारी सैन्य संघर्षों के बीच इन बैठकों का महत्व काफी बढ़ जाता है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ हुई जयशंकर की बैठक में खाड़ी तनाव के मध्य चल रहे तमाम घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा दोनों विदेश मंत्रियों ने भविष्य में भी आपस में एक-दूसरे के साथ संपर्क में बने रहने को लेकर सहमति जताई है। यह जानकारी भारतीय विदेश मंत्री ने एक्स पर की गई अपनी कुछ पोस्ट के माध्यम से दी है।



### रूस के साथ की सहयोग की समीक्षा

एक पोस्ट में जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ हुई बैठक के बारे में जानकारी दी। जिसमें बताया कि रूसी विदेश मंत्री के साथ हुई वार्ता के दौरान वर्तमान समय में बने हुए कई मुद्दों पर विचारों को साझा किया गया। जबकि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय और त्रिपक्ष सहयोग पर भी चर्चा की गई है। गौरतलब है कि दोनों के बीच बीते समय में हुई यह दूसरी मुलाकात थी। इससे पहले जयशंकर रूस की यात्रा पर थे और मास्को में भी दोनों विदेश मंत्रियों की मुलाकात हुई थी।

### खाड़ी को लेकर मिली जरूरी अपडेट

भारत और ओमान के विदेश मंत्रियों की

मुलाकात में खाड़ी क्षेत्र में बना हुआ तनाव का मामला शामिल किया गया। जयशंकर की एक्स पोस्ट के मुताबिक, ओमान के विदेश मंत्री बदर अलबुसैदी द्वारा खाड़ी को लेकर जरूरी जानकारी साझा की गई है। जिसकी उन्होंने सराहना की है। यहां बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य के इलाके में गुजरे वक्त में भारतीय सवार जहाजों पर किए गए हमलों के दौरान सबसे पहले मदद के लिए ओमान ही आगे आया है। मस्कट के तट के पास भी हालिया दिनों में एक ऐसी घटना हुई थी। जिसमें भारतीय सवार 20 नागरिकों वाले एक मालवाहक जहाज पर हमला हुआ था। 19 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। जबकि 1 अन्य व्यक्ति की दुखद मौत हो गई है। विदेश मंत्री ने मलेशिया, मोरक्को, साइप्रस और यूनान (ग्रीस) के विदेश मंत्रियों के साथ भी मुलाकात की है।

### केदारनाथ और गंगोत्री-यमुनोत्री धाम यात्रा स्थगित, हेली सेवा भी रही बंद

ऐसेभी ►► रुद्रप्रयाग

मौसम विभाग के रेड अलर्ट को देखते हुए जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने केदारनाथ धाम यात्रा को शनिवार दोपहर से 27 सितंबर तक स्थगित करने के आदेश जारी किए हैं। यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत यह निर्णय लिया गया है। खराब मौसम के चलते शनिवार को केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा भी संचालित नहीं हुई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि मौसम सामान्य होने के बाद केदारनाथ यात्रा दोबारा शुरू करने के लिए आवश्यक कार्यवाई की जाएगी।



जिलाधिकारी के निदेश पर हीना और डोबाट होलिडिंग पॉइंट्स पर गंगोत्री धाम और यमुनोत्री धाम की यात्रा को अस्थायी रूप से रोकने के निदेश दिए गए हैं। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र और स्मार्ट कंट्रोल रूम को अलर्ट मोड पर रखा गया है। यमुनोत्री धाम के आसपास के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हुई है। टॉप, सात ऋषि कुंड, बंदरपूछ और गरुड़ गंगा क्षेत्र में हिमपात की सूचना है।

## बेटियों से है मुस्कान बेटियों से ही है ये जहान

International Daughter's Day

के इस मौके पर दिवसा हर्बल्ज प्रा. लि. आपको दे रही है

Roop Mantra Apple Cider Detox (500ml)

के एक पैक की खरीद पर एक पैक बिल्कुल फ्री

# 1+1\*

Buy One, Get One FREE

No Shipping Charges\*



**ऑफर केवल आज के लिए मान्य है**

**Terms & Conditions**

- दिए गए QR कोड को अपने मोबाईल से स्कैन करें या हमारी वेबसाइट [www.divisastore.com](http://www.divisastore.com) पर जायें।
- यह उपहार केवल उपभोक्ताओं के लिए है, यह सुरक्षित पैक होगा जिसे दुकानदार नहीं बेच पाएंगे।
- \*Shipping charges are free (PREPAID) inclusive of all taxes.
- \*As on 1+1 discount offer, Buy One unit of Roop Mantra Apple Cider Detox-500ml, worth M.R.P.: ₹325.00 get one pack absolutely free.
- No Coupon Code required for this offer.
- No return or replacement policy will be applicable for this offer.
- All rights Reserved.

Payment Mode: **RuPay** **VISA** **MasterCard** **NetBanking** **Paytm** **G Pay** **pay**

24x7 Helpline: 8725966666 | [www.roopmantra.com](http://www.roopmantra.com) | Available at all medical & general stores